



महाविद्यालय समाचार दर्शन

अंक- ३०

अप्रैल २०२१ से जून २०२१

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ एवं कोरोना मुक्ति हेतु जागरूकता कार्यक्रम

प्रमुख सुर्खियाँ

- कोरोना मुदित के लिए ऑनलाईन ड्राइंग, रेटिंग, मेंहदी, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन।
 - ऑनलाईन बेकीनार का आयोजन।
 - युवा शक्ति कोरोना मुदित अभियान।
 - होम आइसोलेशन ऑनलाईन काउंसलिंग
 - वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन



‘पहला सख्त निरोगी काया’ : डॉ. महेंद्र सिंह रघवंशी

one or it will not update. If you do not see any updates for a few days, then it is likely that your connection is down. If you do see updates, then it is likely that your connection is up. If you do not see any updates, then it is likely that your connection is down.



डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन प्राचार्य एवं संरक्षक

डॉ. (श्रीमती) रश्मि श्रीवास्तव
गुणवत्ता प्रकोष्ठ प्रभारी

संपादक मण्डल

डॉ. श्रीकान्त दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार

मुद्रण एवं ग्राफिक्स

जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, राजेश कुमार यादव एवं मनोज कुमार सिसोदिया

शासकीय ग्रहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, होशंगाबाद (म.प्र.)

प्राचार्य की कलम से.....



अत्यंत हर्ष

मुकित

संचालन

वृद्धजनों

गई,

कोरोना में

महाविद्यालय समाचार दर्शन के तीसवें अंक के प्रकाशन पर का अनुभव कर रही हूँ। महाविद्यालय द्वारा युवा शक्ति कोरोना अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का ऑनलाईन किया गया साथ ही होम आईसोलेशन में रहने वाले लोगों, दिव्यांगजनों की काउंसलिंग की जिम्मेदारी महाविद्यालय को सौंपी जिसके तहत सोशल मीडिया के माध्यम से कोरोना एवं पोष्ट कोरोना में

पोषण, चिकित्सीय परामर्श, वैक्षीनेशन की विस्तृत जानकारियों विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा निशुल्क प्रदान की गई।

महाविद्यालय की छात्राओं हेतु ऑनलाईन वेबीनार, वैक्षीनेशन कैम्प, का आयोजन किया गया। कोरोना मुकित अभियान एन.सी.सी., एन.एस.एस. प्रभारियों की सराहना करुंगी जिने अथक प्रयासों से हम कार्यक्रमों का आयोजन कर पाये।

मैं समाचार दर्शन की पूरी टीम की भी सराहना करना चाहूंगी, जिन्होंने सारी गतिविधियों का संग्रहण कर उसे मूर्त रूप देकर प्रस्तुत किया।

मैं इस अंक के प्रकाशन के लिए महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ एवं बधाई देती हूँ।

डॉ. (श्रीमती) कामिनी

जैन

प्राचार्य एवं संरक्षक

संयादकीय

મહાવિદ્યાલય ‘સમાચાર દર્શન’ કા તીસવાં અંક આપકે સામને પ્રસ્તુત હૈ। ‘સમાચાર દર્શન’ કે પૂર્વ મેં પ્રકાશિત અંકો મેં આપકી સરાહના સે હમ હર્ષિત હૈ। આપકી પ્રેરણ સે પ્રેરિત હો નવીન અંક કો ઓર અધિક બેહતર બનાને હેતુ પ્રેરિત હૈ। મહાવિદ્યાલય કી છાત્રાઓં દ્વારા પ્રથમ ટેસ્ટ એવં વિશ્વવિદ્યાલયીન સેમેસ્ટર પરીક્ષાઓં કે માધ્યમ સે અપની યોગ્યતા એવં ગુણવત્તા કા લોહા મનબાયા હૈ। શૈક્ષણિક એવં શૈક્ષણોત્તર ઉપલબ્ધિયોં કે માન સે યહ સમય અત્યંત મહત્વપૂર્ણ એવં સરાહનીય રહા હૈ। જિન છાત્રાઓં ને અપની યોગ્યતા કો સિદ્ધ કિયા હૈ। ઉન્હેં શુભકામનાએં।

કોરોના કાલ મેં મહાવિદ્યાલય દ્વારા કી ગઈ અનેક ગતિવિધિયોં કો સંગ્રહ કર હમારી પૂરી ટીમ દ્વારા કિયા ગયા જિસકે દ્વારા સભી સદસ્યોં કો ધન્યવાદ પ્રેષિત કરતી હું। જિનકે અથક પ્રયાસોં સે હમ યહ અંક પ્રસ્તુત કર પાયે।

कोरोना मुक्ति हेतु जागरूकता कार्यक्रम

ड्राइंग, पेंटिंग प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 05.04.21 को कोरोना की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान के अंतर्गत ड्राइंग, पेंटिंग प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया कोविड नियमों का पालन करते हुए कोरोना की जागरूकता के लिए इस प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में लगभग 20 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान पर कुमारी पलक जैन बीए द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर कुमारी मनीषा प्रजापति बीएससी द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान पर कुमारी राजी साध बीएससी द्वितीय वर्ष रही। निर्णायक के रूप में डॉ पुष्पा दुबे, डॉ हर्षा चचाने एवं डॉ रामबाबू मेहर में सहयोग प्रदान किया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने सहभागिता करने वाली और प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सतर्कता से ही कोरोना को परास्त कर सकते हैं, इस कोविड संक्रमण के समय अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रखना होगा हमें नियमित योग, प्राणायाम को दिनचर्या में सम्मिलित करना होगा। इस महामारी से बचने के लिए सतर्कता के साथ –साथ सकारात्मक सोच भी अति आवश्यक है।

रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में कोरोना के रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान के तहत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के निर्देशन में एवं संयोजक डॉ ज्योति जुनगरे एवं डॉ. हर्षा चचाने के नेतृत्व में ऑनलाइन किया गया।

प्रतियोगिता में 25 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम द्वितीय तृतीय के अतिरिक्त प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाली 6 छात्राओं को भी डॉ. जैन ने पुरस्कृत किया और सभी प्रतिभागिता करने वाली छात्राओं को कोरोना से बचाव संवधी आवश्यक जानकारी प्रदान की। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभांगी राजपूत योग साइंस, द्वितीय – संजना सिंह ठाकुर बीकॉम प्रथम वर्ष, तृतीय स्थान अंकिता विश्वकर्मा योग विभाग इसके अतिरिक्त मोनिका चौरे, दीक्षा चौरे, कविता राजपूत को भी प्राचार्य डॉ श्रीमती कामनी जैन द्वारा पुरस्कृत किया गया।



स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कोरोना की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्लोगन प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया कोविड नियमों का पालन करते हुए कोरोना की जागरूकता के लिए इस प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में लगभग 22 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान पर कुमारी अंतिमा मेहता एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर रसायन शास्त्र, द्वितीय स्थान पर कुमारी राजी साध बीएससी द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान पर कुमारी मेघा बीएससी प्रथम वर्ष रही। निर्णायक के रूप में डॉ रीना मालवीय, श्री शैलेन्द्र तिवारी एवं एवं श्री देवेन्द्र सैनी सहयोग प्रदान किया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.श्रीमती कामिनी जैन ने सहभागिता करने वाली और प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सतर्कता से ही कोरोना को परास्त कर सकते हैं, इस कोविड संक्रमण के समय अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रखना होगा हमें नियमित योग, प्राणायाम को दिनचर्या में सम्मिलित करना होगा। इस महामारी से बचने के लिए सतर्कता के साथ –साथ सकारात्मक सोच भी अति आवश्यक है।

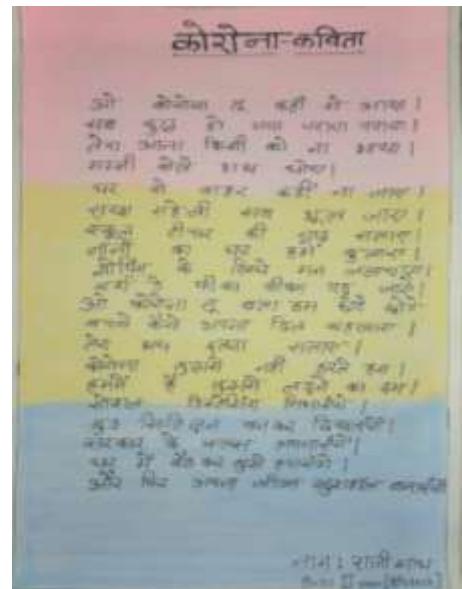
गीत/कविता प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में कोरोना की



रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान के अंतर्गत गीत/कविता प्रतियोगिता का सर्व एंड रिसर्च डेवलपमेंट सोसाइटी के तत्वाधान में ऑनलाइन आयोजन किया गया।

कोविड 19 के नियमों का पालन करते हुए कोरोना की जागरूकता के लिए गीत प्रतियोगिता में कुल 5 और कविता प्रतियोगिता में 16 छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें छात्राओं ने कोरोना को लेकर अपने विचारों को गीत और कविता के माध्यम से प्रस्तुत किया। जिसमें सोनल पाण्डे द्वारा कविता प्रस्तुत की गई जो प्रथम स्थान पर रहीं।

लापरवाही ना करना है, जागरूक हमें होना है।
घर से बाहर ना निकलें, फैला बाहर कोरोना है।
जिसने समझा खेल इसे, आखिर में रोना पड़ता है।
घर से बाहर ना निकलें, फैला बाहर कोरोना है।



जिसमें गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सिद्धा साँई बीए द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर रानी सांगले एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर एवं तृतीय स्थान पर कुमारी रिया मेहरा बीएससी प्रथम वर्ष रही। इसी कड़ी में कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सोनल पांडे बीए तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर कुमारी शीतल पांडे बीए द्वितीय वर्ष एवं तृतीय स्थान पर कुमारी वैशाली बकोरिया एमएसडब्ल्यू द्वितीय सेमेस्टर, रहीं।

निर्णायक के रूप में डॉ पुष्पा दुबे, डॉ श्रुति गोखले एवं श्री प्रेमकांन्त कटंगकार ने पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने विजेता रही छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि जिस तरह आप सभी छात्राओं ने अपने गीत एवं कविताओं के माध्यम से कोरोना की रोकथाम संबंधी विचारों को व्यक्त किया है, उन्हें उसी प्रकार आत्मसात करना होगा और सतर्कता के साथ कोरोना संक्रमण को परास्त करना होगा। जिसके लिए आप सभी को सकारात्मक सोच एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग और जागरूक रहने की आवश्यकता है।

मेहंदी प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में सर्च एवं रिसर्च डेवलपमेंट सोसाइटी भोपाल के तत्वाधान में कोरोना महामारी से बचाव तथा सुरक्षित और स्वस्थ जीवन के लिए जन जागरूकता अभियान अंतर्गत कोविड 19 नियमों का पालन करते हुए मेहंदी प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक की ऑनलाईन प्रस्तुति की गई।

प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन एवं संयोजक डॉ हर्षा चचाने एवं डॉ.ज्योति जुनगरे के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मेहंदी प्रतियोगिता में 12 प्रतिभागियों ने सहभागिता की जिसमें प्रथम स्थान सुरभि सोनी बीकॉम तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान संजना सिंह ठाकुर बीकॉम प्रथम वर्ष, तृतीय स्थान सुरभि उदयपुरिया बीएससी द्वितीय वर्ष सीएनडी तथा अंशिका गुप्ता बीए प्रथम वर्ष रही। कोरोना से बचाओ। नुक्कड़ नाटक मोनिका चौरे, पूजा पटेल, दीक्षा चौरे, सौम्या गुरु, भाग्यश्री



राणा, ज्योति मेहरा, और अमीषा गौर, प्रतिमा, सलोनी राजपूत, वंदना, पूर्णिमा, अंकिता ने प्रस्तुति दी।

“युवा शक्ति, कोरोना मुक्ति” शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में प्राचार्य श्रीमती डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में “युवा शक्ति, कोरोना मुक्ति” अभियान के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन बताया कि आज टीकाकरण को लेकर अनेक भ्रांतियां युवाओं के साथ सभी आयु वर्ग के लोगों में देखी जा रही जिससे टीकाकरण अभियान पर प्रभाव पड़ रहा है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी वर्ग का प्रेरक के रूप में उपयोग कर टीकाकरण एवं कोविड अनुकूल व्यवहार के प्रति जनजागरुकता फैलाना है। यह कार्य तीन चरणों में किया जायेगा इस हेतु अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य जिला टीकाकरण अधिकारी तकनीकी शिक्षा प्राचार्य का प्रशिक्षण 12 जून 2021 को हो चुका है द्वितीय चरण में आज दिनांक 15.06.2021 जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों के 2 – 2 प्राध्यापकों का प्रशिक्षण हुआ तृतीय चरण में दिनांक 19 जून से 31 जुलाई तक विद्यार्थियों का प्रशिक्षण महाविद्यालयों में किया जायेगा। उन्होंने सभी मास्टर ट्रेनर्स का वाट्सएप ग्रुप बनाने हेतु निर्देशित किया जिससे कि प्रभावी मानिटरिंग की जा सके।



45 प्लस चौथे चरण में 18 प्लस आयु वर्ग लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है। सप्ताह में

कोविड मुक्ति अभियान: मुख्यमंत्री ने वर्चुअल व्हास में महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं से किया संवाद



अकाश रसायन, होशंगाबाद।

सुनक्ष्यार जो मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की उपर्योगी में कोविड मुक्ति अभियान के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में उच्च शिवाजी डा. मोहन यादव ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य कोरोना संक्रमण रोकने की दिशा में एक यात्रा है जिसके तहत अधिक से अधिक वैक्सीनेशन एवं कोविड प्रोटोकॉल का पालन कराना जा सके, उन्होंने विस्तार से कार्यक्रम को स्वरोत्तम बताई। मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों के महाविद्यालयों में वर्चुअल व्हास एवं अन्य अनिवार्य माध्यमों से जुड़ विभिन्न जिलों के महाविद्यालयों के लकड़ एवं लकड़ाओं से बात की एवं जानने का प्रयत्न किया जो लकड़ लकड़ाओं में कोविड

वैक्सीनेशन तथा कोविड प्रोटोकॉल के संबंध में कितनी जागरूकता है मुख्यमंत्री ने संवाद में लकड़ लकड़ों ने विस्तार से बात की तथा व्हासन की कोविड के रोकथाम की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से ढर्ने अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस महामारी के दौरान विवरण हुए शासकीय सेवकों के पार्श्वावर के लिए शासन ने विभिन्न योजनाएं प्रारंभ की जिससे उन पारिवारिकों के भवन पौष्टि में कोई कठिनाई नहीं हो। होशंगाबाद जिले के असाधी महाविद्यालय की प्रधारी डा. कामिनी जैन ने कहा कि इस कार्यक्रम में सभी महाविद्यालय के लकड़-लकड़ाएवं प्लस प्राध्यापक सम्मिलित हुए तथा शासन की कोविड के रोकथाम की दिशा में लिए जा रहे प्रयासों से अवगत हुए। कार्यक्रम का प्रसारण सभी महाविद्यालयों में अनिवार्य हुआ।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नलिनी गौर ने कहा कि कोरोना का कोई इलाज नहीं है अभी इसकी दूसरी लहर चल रही है भविष्य में और भी लहर आ सकती हैं केवल वैक्सीन ही एकमात्र उपचार है। होशंगाबाद में जनवरी 2021 से वैक्सीनेशन कार्य शुरू हुआ है पहले चरण में फ्रंट लाइन वर्कर्स दूसरे चरण में 60 प्लस तीसरे चरण में

सोमवार, बुधवार, गुरुवार, एवं शनिवार 4 दिन वैक्सीनेशन कार्य चल रहा है जिला स्तर पर ऑनलाइन एवं अन्य केंद्रों पर ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन कि सुविधा दी जा रही है।

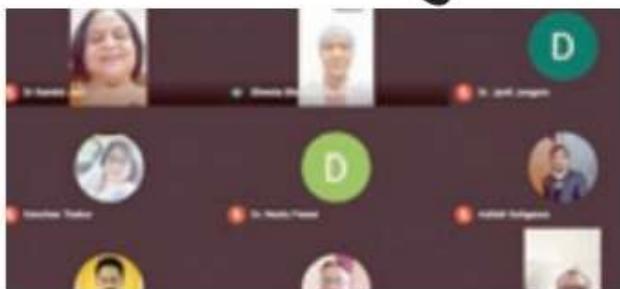
पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर आर चंद्राकर ने कहा वैक्सीनेशन ही एक मात्र उपचार है बाकी सब सहायक दवाइयां हैं शासन की मंशा है डॉ. रागिनी सिकरवार विभाग विभागाध्यक्ष वनस्पति शास्त्र ने बताया कि 18 जून को मुख्यमंत्री माननीय मुख्यमंत्री के द्वारा **कोवि** संदेश ऐप लांच किया जा रहा है जिसमें प्रशिक्षण लेने वाले विद्यार्थियों का डेटाबेस कलेक्ट किया जाएगा एवं प्रतिदिन अध्यापकों द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी इस ऐप के माध्यम से संग्रहित की जाएगी एवं प्रतिदिन **50 – 50** छात्र – छात्राओं का बैच बनाकर कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए प्रशिक्षण दिया जाएगा साथ ही उन्होंने वैक्सीन के निर्माण परिवहन संग्रहण की प्रक्रिया एवं वैक्सीनेशन को लेकर के जनसामान्य में व्याप्त भ्रांतियों एवं उनके वैज्ञानिक तथ्यों को विस्तार से समझाया तथा विद्यार्थियों को स्लोगन के माध्यम से जन जागरूकता के लिए प्रेरित किया जाए

माह मई 2021 (होमआईसोलेशन) प्रेस न्यूज

सोशल मीडिया के माध्यम से चिकित्सक लोगों की चिकित्सकीय समस्याओं का समाधान कर रहे हैं आहार ऐसा जो हमारे लिये उपयुक्त हो : प्राचार्य जैन

स्वास्थ्य संवाददाता, होशंगाबाद

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय, होशंगाबाद प्राचार्य डॉ. बीमती कामिनी जैन ने कहा कि शासन को और से होम आइसोलेशन में रहने वाले लोगों की कारंसलिंग का कार्यार्थ महाविद्यालय की सीधी गया है। उसके अंतर्गत ऑफलाइन एवं ऑनलाइन परामर्श दिया जाता है। सोशल मीडिया के माध्यम से चिकित्सक लोगों की चिकित्सकीय समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उत्साहवर्धन हेतु प्रबुद्धजन सम्बन्ध-समय पर सकारात्मक पोस्ट भेज रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान में गूगल पीट के द्वारा 10 मई 2021 सोमवार से 13 मई 2021 गुरुवार तक सप्ताह में चार दिन लोगों को जोड़कर उनसे सकारात्मक संवाद किया गया है और उनकी विभिन्न समस्याओं का समाधान किया गया है। इस सप्ताह 17 से 20 मई 2021 तक 'शारीरिक स्वास्थ्य हेतु



सकारात्मक संवाद' आयोजित किया जा रहा है। इन सत्रों में डाइटीशियन और चिकित्सक की मदद से कोरोना एवं पोस्ट कोरोना के लिये पोषण और चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया जायेगा। प्राचार्य ने कहा कि मनुष्य जीवन में भोजन का अत्यधिक महत्व है। बीमारी के समय शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। यदि दवाओं के साथ पोषक तत्व भोजन में लिये जायें तो

बीमारी से शीघ्र मुकि पाई जा सकती है। वर्तमान में कोरोना महामारी में दी जाने वाली दवाओं से शरीर पर प्रभाव हो रहा है, उससे बचने के लिये शारीरिक रूप से प्रबुद्ध होना जरूरी है। इसमें भोजन का सहायक सिद्ध होता है। महाविद्यालय में इस हेतु सींगनडी विभाग के माध्यम से प्रति वर्ष प्रशिक्षित डाइटीशियन समाज में भोजन के माध्यम से पोषण देने का कार्य करती है।

प्राचार्य ने बताया कि आज के सत्र में आहार विशेषज्ञ डॉ. शंता सांकेते ने मार्गदर्शन दिया जो सभी के लिये उपयोगी रहे। आमत्रित डाइटीशियन डॉ. शंता सांकेते महाविद्यालय की पूर्व शिक्षिका है। वर्तमान में वे रेलवे हाईस्टेटल बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में नियुक्त हैं। उन्होंने होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों के पोषण के सम्बन्ध में कहा कि इस गमी के मौसम में गरम जीजे अधिक लेने की आवश्यकता नहीं है। सामान्य तापमान का पानी ले। बहुत अधिक काढ़ा लेने से एसाइटी की समस्या हो सकती है। रोजाना जो भोजन ले रहे हैं वही ले, केवल प्रोटीन की भाँज में बुद्धि कर लें। उन्होंने उपस्थित सदर्यों के प्रसन्नों का उत्तर देते हुये अनेक भ्रांतियों को दूर किया जो सोशल मीडिया से उत्पन्न हो जाती है। उत्तर पदार्थों के सेवन पर उन्होंने विशेष बल दिया। मधुमेह, कैसर, हृदय रोग आदि बीमारियों से ग्रसित लोगों को यदि कोरोना हुआ है।

आहार ऐसा जो हमारे लिये उपयुक्त हो: डॉ. श्रीमति कामिनी जैन

अध्यक्ष भारकर, होशंगाबाद

शामाचार गृहविद्यालय, की संरक्षक एवं प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि शासन की ओर से होम आहारांलेशन में रहने वाले लोगों को काउंसिलिंग का कार्यभार महाविद्यालय को सौंपा गया है। उसके अंतर्गत ऑफलाइन एवं ऑनलाइन प्रणालय दिया जाता है। सोशल मीडिया के माध्यम से चिकित्सक लोगों की चिकित्सकीय समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उत्तमाहवरण द्वारा प्रबुद्धन सम्प-सम्प प्रकाशनक पोस्ट भेज रहे हैं हास अधियान में शुल्क भीट के द्वारा 10 मई 2021 सोमवार से 13 मई 2021 शुरू होकर तक सप्तह में चार दिन लोगों को जोड़कर उनसे सकारात्मक

संवाद किया जाता है और उनको विचिन्न समस्याओं का समाधान किया जाता है। पिछले सप्ताह बायोसिक शास्ति हेतु अध्यात्म और योग के प्रायोगिक सज्जों का अयोजन किया गया। इस सप्ताह 17 से 20 मई 2021 तक हाईटोरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इन सज्जों में डायटोरिशन और चिकित्सक की मदद से कोरोना एवं पोस्ट कोरोना के लिये योग और चिकित्सकीय प्रणाली दिया जायेगा।

प्राचार्य ने कहा कि मनुष्य जीवन में भोजन का अत्यधिक महत्व है। बोधार्थी के सम्पर्क में योगक तत्त्वों को कमी हो जाती है। यदि दवा औं के साथ योगक तत्त्व भोजन में लिये जाये तो बोधार्थी से शोषण मुक्त नहीं जा सकती है। वर्तमान

में कोरोना महामारी में दो जाने वाले दवा औं में शरीर पर इचाव हो रहा है, उससे बचने के लिये शारीरिक रूप से मजबूत होना जरूरी है। इसमें भोजन सहायक सिद्ध होता है। हायाविद्यालय में इस हेतु डॉ. एस. डॉ. विभान के माध्यम से प्राति वर्ष प्रशिक्षित डायटोरिशन समाज में भोजन के माध्यम से योगदान देने का कार्य करती है। 17 मई 2021 के नवं वर्ष में प्राचार्य ने आहार सम्बन्धित ऑनलाइन विषयक डॉ. श्वेता शाकिलसे से पूछे जो सभी के लिये उपयोगी रहे।

इस सत्र में आयोजित डायटोरिशन डॉ. श्वेता शाकिलों वायाविद्यालय की पूर्व शिक्षिका है। वर्तमान में वे रेलवे हाईस्पेशल विलासपुर(छत्तीसगढ़) में नियुक्त हैं। उन्होंने हाम आहारांलेशन में गृहीत भीट के माध्यम से दिया। दिन में

रह रहे लोगों के गोपन के माध्यम में कहा कि हाम के मौजम में गरम खोजें अधिक लेने की अवश्यकता नहीं है। सामान्य तापमान का पानी ले। बहुत अधिक काढ़ा लेने से एमिडिटों की समस्या हो सकती है। रोजाना जो भोजन से रहे हैं वहाँ से, केवल ड्रेटीन की मात्रा में कूदूद कर ले।

उन्होंने उपचित सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए अनेक शाकिलों को दूर किया जो सोशल मीडिया से उत्तम हो जाते हैं। उन्होंने योगदानों के सेवन पर उत्तराने विज्ञप्ति लिया। योगदान, कैमर, हैंड, रोगी आदि बीमारियों से ग्रसित लोगों को यदि कोरोना हो जाए है। उनके लिये उपयुक्त आहार के विषय में सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर भी ऑफलाइन सर्व में उपलब्ध होते हैं।

आहार ऐसा जो हमारे लिए उपयुक्त हो: डॉ. जैन

• ऑफलाइन एवं ऑफलाइन काउंसिलिंग सेट देखें परामर्श

अनोद्धा तीर, हेशंगाबाद। शानदार शास्त्रीय एवं विज्ञान महाविद्यालय की संरक्षक एवं प्राचार्य हैं श्रीमति कामिनी जैन ने कहा कि शासन की ओर से होम आहारांलेशन में रहने वाले लोगों को काउंसिलिंग का साधारण प्राचार्यांशु किया गया है। इसके साथ-साथ प्राचार्य एवं ऑफलाइन प्राचार्यांशु की चिकित्सकीय सम्पर्क का लाभ भी उत्तम हो जाता है। इसके अंतर्गत ऑफलाइन एवं ऑफलाइन प्राचार्य एवं ऑफलाइन एवं ऑफलाइन प्राचार्यांशु की चिकित्सकीय सम्पर्क का लाभ होता है। उत्तमाहवरण द्वारा प्रबुद्धन सम्प-सम्प प्रकाशनक पोस्ट भेज रहे हैं इस अधियान में गृहीत भीट के द्वारा 10 मई से 13 मई तक सप्ताह में चार दिन लोगों को जोड़कर उनसे सकारात्मक संवाद या और उनकी चिकित्सकीय सम्पर्क की सम्भावा किया। पिछले सप्ताह मनीष सहित हो गया और

योग के प्रायोगिक सज्जों का अयोजन किया गया। इस सप्ताह 17 से 20 मई तक शानदार तापमान संबद्ध आपार्टमेंट किया जायेगा। इससे मेडिटीशन और चिकित्सक की मदद से कोरोना एवं पोस्ट कोरोना का उपचार की चिकित्सकीय सम्पर्क प्रदान किया जाएगा।

प्राचार्य ने कहा कि मनुष्य जीवन में भोजन का अत्यधिक महत्व हो चेहरों के सम्पर्क में योगक तत्त्वों को कम्भेरे जाता है। पायेदवओं के सम्पर्क तत्त्व भोजन में लिए जाने वाले बोधार्थी जाये तो बोधार्थी से शोषण मुक्त पूँजी जा सकती है। जीवन में कोरोना महामारी में दो जाने वाले दवा औं में शरीर पर इचाव हो रहा है, उससे बचने के लिये शारीरिक रूप से मजबूत होना जरूरी है। इसमें भोजन सहायक सिद्ध होता है। हायाविद्यालय में इस हेतु डॉ. एस. डॉ. विभान के माध्यम से प्राति वर्ष प्रशिक्षित डायटोरिशन विषयक विज्ञप्ति द्वारा जारी की गयी है।

प्राचार्यांशु में इस द्वारा भोजन के विषय के माध्यम से शाकिलों द्वारा उपचार सम्बद्ध में भोजन के माध्यम से योगदान देने का कार्य करता है। अब वे सभ में प्राचार्य ने अब को अखंत सम्बन्धित अनेक प्रश्न जारी की जारी विषयाएं द्वारा सकारात्मक रूप से पूछी जाएं जो सभी के लिये उपयोगी हों। भ्रान्त के सब में आयोजित डायटोरिशन डॉ. श्वेता शाकिलों वायाविद्यालय की पूर्व शिक्षिका है। वर्तमान में वे रेलवे हाईस्पेशल विलासपुर(छत्तीसगढ़) में नियुक्त हैं। उन्होंने हाम आहारांलेशन में गृहीत भीट के माध्यम से दिया। दिन में

આહાર એસા હો જો હમારે લિએ ઉપયુક્ત હો

"શારીરિક રવારથ્ય હેતુ સકારાત્મક સચાદ" સત્ર આયોજિત

હોશ્ચાગાબાદ। કોરોના સંક્રમણ કી ચૂંણીની કે બોધ આપણની કો તનાથ, વેસાનીની મે ઘટદ કારણે કે સાથ તુનકી ઠાંચત કારણેલીની કિએ, જાણે તથા હોમ અલ્ઝોસોલેટેડ પરોન્ઝોની કો તાત્ત્વાની વિકિલાંક્રમ પરામર્શ તપણાંક કરાને કો અનુભૂતી પહેલ જિલ્લે મે પ્રારંભ કી ગઈ। કલેકટર ધનજિલ સિલ્ફ કે દિવા નિર્દેશન મે ચાલાય, જા રહે ઇસ અંધીભાગન કે તહેઠ ચુદ્ધાન, દિવાળાં એવ જાહેરતમદ્દીની કો ઘર બેઠે હાર જરૂરો સાથાની પાંચથાય, જાણે કે લિએ વિભિન્ન ગતિવિધિની કો જાયોજન કિયા જા રહા હૈ। વિભિન્ન કે લિએ અધિકારીની કો વિભિન્ન દી ગઈ હૈ। ઇન્ની ગતિવિધિની મે સે એક તલાહ વચ્ચેન, ખોણ, પ્રાણાશ્વર, ખુલાન આવિ કો જાનકારી તથા અધ્યાત્મન, તનાથ, ચિંતા સે તબારને કે લિએ સર્વાધિત કો કારણેલીની વિભિન્ને પ્રાણીની પ્રાણી હોમ સાથા કાર્યાલાય ડુર્ગ કાર્યાલાય જેણ કો દી ગઈ હૈ। પ્રાણાંશ ડૉ. કાર્યાલાય જેણ ને કાલાય કે હોમ અલ્ઝોસોલેટ લોણોની કો કારણેલીની કો કારણે સર્વાધિતાની દ્વાર કિયા જા રહા હૈ, નિષ્ઠાને અનુભૂતિ વિભિન્ન વિભિન્ન પર અંગીલાંદ એવ અંગીલાંન પરામર્શ દિવા જા રહા હૈ। સોલાન મિનિયુની કે યાખ્યા સે ભી વિકિલાંક્રમ લોણોની કો વિકિલાંક્રમીની સમસ્યાઓની કા સાધારણન કર રહે હૈને। તલાહ વચ્ચેન હેતુ પ્રચુરાન દ્વાર સાથી-સાથી પર સાધારણ પોસ્ટ બેઝે હોય હૈને।

ઉન્હોને બતાયા કે ઇસ અંધીભાગ મે સુધીન મીટ કે સાથીથ સે સાથાન મે ચાર દિન લોણોની કો જોડુંકર તનસે સકારાત્મક સચાદ ઔર ઉભાદી વિભિન્ન સમસ્યાઓની કા સાધારણન કિયા જા રહા હૈ। નિષ્ઠાને સાથાન નાનાસીક કાર્ય

હેતુ અભ્યાસન ઔર યોગ કે આયોજિત માર્ગો કા આયોજન કિયા ગયા। ઇસ સમાન 17 સે 20 માર્ચ 2021 તથા શારીરિક સાધારણ હેતુ સકારાત્મક સચાદ આયોજિત કિયા જા રહા હૈ।

મધ્યપ્રદેશ પાદ્યપુસ્તક નિગમ

"પુલાલ પદ્ધતિ", અરોરા હિલ્સ, પોથાલ-462011
ફોન : 0755-2550727, 2551294, 2551565, ફેક્સ : 2551145,
ઇમેલ : pimp@mpbmcgmp.gov.in, વેબસાઇટ : mpbmcgmp.gov.in
અન્દરથી <http://mpbmcgmp.gov.in> પોથાલ, દિવાન : 17.03.2021

નિષ્ઠા સત્ર 2021-2022 કે લિએ પુસ્તકો (કાચાર સહિત) કે મુદ્દા હેતુ ઈ-નિવિદાઓની કે આપણની કી સુખના.

(નિવિદા નિયમ-P.T.G-6/2021-2022)

નિષ્ઠા સત્ર 2021-2022 કે લિએ દાખા જીનાન, કરીન વાચાતાનિક, દિવા કીસી એવ ગુંડીની આરાદી, કે જીનુંકો કો જાણની 1.00 કરોડ પુસ્તકોની કાચાર સહિત હેતુ અભ્યાસન નુદ્દાનની ને એવ અભ્યાસન પોસ્ટ પર મુદ્દા હેતુ ઈ-નિવિદા નિયમોનાં।

ઈ-નિવિદા પોસ્ટ <https://mpbmcgmp.gov.in> પર દિવાન 18.03.2021 થી 17.00 કબે સે નિવિદા દાખાને અભ્યાસન કે જા નકલે હી એવ નિવિદા 02.04.2021 થી 10.30 કબે એવ જાનકારીની એવ કાન્ફિડન વિશે પ્રાણાંશ પર એવ જા નકલે હી નિવિદા કે લાખન નાં જાનકારી સુધીની એવ કાન્ફિડન નિયમોનાં 906110070963, 91111111007 એવ નેનું દેખાન પુરાણ નં. 0120-40010002, 0120-60222287 પર લાખન કે જા નકલે હી નિવિદા જા નકલે હી નિવિદા પર લાખન નાં જાનકારીની એવ કાન્ફિડન નુદ્દાન (ચાદ કોંડે લોણ ની) નોંધન <https://mpbmcgmp.gov.in> પર સી પ્રાણાંશ કેચાર જાનકારી નીંસે।

એવ નાં નિયમ-P.T.G-6/2021-2022

પ્રાણાંશ સહિત

ગાબાદ-સીહોર

પ્રદેશ ટાઇમ્સ

કોરોના એવં પોસ્ટ કોરોના કે લિયે દિયા જા રહા પોષણ ઔર વિકિટકીય પરામર્શ : ડૉ. કામિની જૈન

હોશ્ચાગાબાદ (પ્રેદેશ ટાઇમ્સ) : કોરોના સંક્રમણ કી ચૂંણીની કો બોધ આપણની કો તનાથ, પેસાનીની મે ઘટદ કારણે કે સાથ તુનકી ઠાંચત કારણેલીની કો આધ્યાત્મ વિકિટકીય પરામર્શ તરફાની કરાને કો અનુભૂતી પણ હોણાંશની જિલ્લે મે પ્રારંભ કી ગઈ। પ્રાણીં ડૉ. કામિની જૈન ને બતાયા કે લોમ અલ્ઝોસોલેટ લોણોની કો કારણેલીની કો જાણી નાં સાથારથ્ય હેતુ અધ્યાત્મ એવ અંગીલાંન એવ અંગીલાંન પરામર્શ દિયા જા રહા હૈ, નિષ્ઠાને અનુભૂતિ વિભિન્ન વિભિન્ને પર લાખન મિનિયુની પર લાખન માં આધ્યાત્મ સે આધ્યાત્મ સે આધ્યાત્મ ની એવ અંગીલાંની પરામર્શ દિયા જા રહા હૈ। સોલાન મોદિયા કે માયામ સે ભી વિકિટકીય સમસ્યાઓની કા સામાનાન કર રહે હૈને। તરફાનીને હેતુ પ્રચુરાન દ્વાર સાથી-સાથી પર સાધારણાંક પોસ્ટ બેઝે હોય હૈ। ઊંહોને બતાયા કે ઇસ અધ્યાત્મ ને જીનાન કે લિએ સંબંધિત લોણીની જેણ કો કારણેલીની કો જીનુંકો દી ગઈ હૈ। પ્રાણીં ડૉ. કામિની જૈન ને બતાયા કે લોમ અલ્ઝોસોલેટ લોણોની કો કારણેલીની કો જાણી નાં સાથારથ્ય હેતુ અધ્યાત્મ એવ અંગીલાંન એવ અંગીલાંન પરામર્શ દિયા જા રહા હૈ, નિષ્ઠાને અનુભૂતિ વિભિન્ન વિભિન્ને પર લાખન મિનિયુની પર લાખન માં આધ્યાત્મ સે આધ્યાત્મ સે આધ્યાત્મ ની એવ અંગીલાંની પરામર્શ દિયા જા રહા હૈ। સોલાન મોદિયા કે માયામ સે આધ્યાત્મ સે આધ્યાત્મ ની એવ અંગીલાંની પરામર્શ દિયા જા રહા હૈ। નિષ્ઠાને સાથાન નાનાસીક કાર્ય



સુધીની પ્રદાન કેનાળ જાણોણાં। પ્રાણીં ને કાલ કે મનુષ્ય જીવન મે ખોજીન કા અલ્યુબિક મહાલ હૈને। જીવાળે કે સાથી અલ્યુબિક્સીની સાથી જીવાળી નુંબા હૈ, ડાન્કે નિયમુંખું આલા કે વિષય ન સાખ્યાની પ્રસ્તુતી કે ઉત્તર થી અનુભૂતિ અલ્યુબિક નુંલ મીટ કે માયામ સે આધ્યાત્મ સે આધ્યાત્મ ની એવ અંગીલાંની પરામર્શ દિયા જા રહા હૈ। માયામની પ્રસ્તુતી કે ઉત્તર થી અનુભૂતિ અલ્યુબિક નુંલ મીટ કે માયામ સે આધ્યાત્મ સે આધ્યાત્મ ની એવ અંગીલાંની પરામર્શ દિયા જા રહા હૈ। નિષ્ઠાને સાથાન નાનાસીક કાર્ય

होम आइसोलेशन में रहने वालों का उत्सलिंग कर रहा शा ग्रह विज्ञान महाविद्यालय

હોશંગાવાદ--આહાર એસા જો હમારે લિયે ઉપયુક્ત હો

होशिरामबाबाद। यामकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय, होशिरामबाबाद को मंशाक पर्व प्राचारण द्वा० श्रीमती कल्पिता बैन ने कहा कि शास्त्र की ओर से होम आइसोलेशन में रहने वाले लोगों की कठड़तालिंग का कार्यभार महाविद्यालय को सीधा गया है। उक्त तिरपति अंगूष्ठलाइन मध्ये ऑनलाइन प्रश्नपत्र दिया जाता है। सीशल भौतिक्य के माध्यम से चिकित्सक लोगों को चिकित्सकोंय ममस्थाओं का समाधान कर रहे हैं। उत्साहवर्धन हेतु प्रबुद्धन यमव-समय पर सकारात्मक पोस्ट भेज रहे हैं। इस अधिकायान में गृहाल मोट के द्वारा 10 मई 2021 सोमवार से 13 मई 2021 गृहाल तक सप्ताह में चार दिन लोगों को जोड़कर उनसे सकारात्मक सेवाएँ किया जाता है और उनको विभिन्न समस्थाओं का समाधान किया जाता है। पिछले सप्ताह मानसिक भावि हेतु अध्यात्म और योग के प्रायोगिक सर्वों का अध्यायन किया गया। इस सप्ताह 17 से 20 मई 2021 तक “शारीरिक स्वास्थ्य हेतु मनोसाधारण संवाद” आयोजित किया जा रहा है। इन सर्वों में लाइटोथियन और चिकित्सक को मदद से कोरोना एवं पीटट कोरोना के लिये पोषण और चिकित्सकीय प्रश्नपत्र प्रदान किया जायेगा। प्राचारण ने कहा कि मनस्य जीवन में भोजन का आवश्यक महत्व है। श्रीमती के समय शरीर में पोषण तत्वों की कमी हो जाती है। यह दबावों के साथ पोषक तत्व भोजन में लिये जायें तो श्रीमती से जीव

मुक्ति यहीं जा सकती है। वर्तमान में कोरोना महामारी में दौ जाने वाली दवाओंमें से कठीरप पर प्रभाव हो रहा है, तरसे बचने के लिये शारीरिक रूप से भयबहूत दोनों गुरी हैं। इसमें भोजन सहायक सिद्धि होता है।



महाविद्यालय में इस लेटु सौ. एन. डॉ. विभाग के माध्यम से प्रति चर्च प्राप्तिशिल डाकटीशियन समाज में भी बन के महाविद्यालय से पोषण देने का कार्य करती है। अब वे सभा में प्राच्यवेद ने आप की अध्यारोप सम्पर्कित अपेक्षा प्रमाण अंक की वापार विवाह डॉ. चंद्रा साकली से पूछे गए सभों के लिये उपचारी रहे। आप के सभा में आधिकारिक डाकटीशियन डॉ. चंद्रा साकली महाविद्यालय की पूर्ण शिक्षिका है। लर्नेयन में वे रेलवे अधिकारी विवाहसम्पूर्ण (लर्नेयरगढ़) में नियुक्त हैं। उन्होंने ही हम आधिकारी लर्नेयन में दर्शन लिंगों के पोषण के सम्बन्ध में कानून कि

इस गमी के भीमम में गरम चौबे अधिक सेने को आवश्यकता नही है। मामान्य तापमान का पानी लें। बहुत अधिक काढ़ लेने से प्रैमिडो को बमलवा हो सकती है। रोगिनों को भौजन ले रहे हैं वही लें, केवल प्रोटीन की मात्रा में बहुत कर लें। उन्होंने उपचिकित्स दृष्टव्यों के प्रसरण का उत्तर देते हुये अनेक खाइयों को दूर किया जो शोकल मोड़िया में उत्पल हो जाती है उत्तरल पदार्थों के सेवन पर उन्होंने विशेष बल दिया। मधुमेह, कैमर, हृदय रोग आदि जीमारियों से ग्रसित लोगों को यदि कोरोना हुआ है। उनके लिये उपचकू आहार के विषय से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर भी अनिवार्य गृहसंस्कृत के माध्यम से दिये। दिन में एक बार गरम पानी में तूपासी डालकर, छाठ, नारियल पानी आदि पीने की सलह हो दी गई। महाविद्यालयीन स्टाफ के हृष्य में मैं डॉ. ओकाति दुबे, डॉ. अरुण सिंकरवार, डॉ. रामगंगा दुबे, डॉ. ज्योति तुनगमे, डॉ. रामगिरि सिकरवार, डॉ. कंठचन लक्खुर, डॉ. हार्षा चत्वारी, डॉ. वैशाली त्याल, ओमपती किरण विश्वकर्मा, डॉ. मनोज चौधरी, डॉ. अशोप साहंगीरा, डॉ. अजय निवारी, डॉ. नीतू पवार, डॉ. पूजा धापक तथा कॉर्पुलर विभाग और आई.टी. मेल के सदस्य श्रीमती आभा आधुका, जी शीलोन्ड तिवारी, जी देवेंद्र मैनी, डॉ. रीना मालवीय, डॉ. जलजा जीवायासर, जी अलराम यादव, जी मनोज मिसोदिया एवं जी राजेन्द्र यादव इस अनिवार्य सब में उपस्थित रहे।

प्रदेश

હોશંગાબાદ

yugpradesh.com

८०

सोशल मीडिया के माध्यम से चिकित्सक लोगों की चिकित्सकीय समस्याओं का समाधान कर रहे

आहार ऐसा जो हमारे लिये उपयुक्त हो

१०४ प्रकाश, नवदिवापुरम्

शास्त्रात्मक गुणविद्यान महाविद्यालय, होमग्राहात की स्थापना एवं प्रचारात् अंतर्राष्ट्रीय विद्यालयों जैसे नेता का काम कि साधनात्मक विद्यालयों की ओर से होम आद्यविद्यान में व्यापक विद्यालयों की ओर उत्तरार्थीलिंग का काम व्यापक महाविद्यालय की ओर हो। इनके अंतर्गत अधिकारित एवं अधिकारी विद्यालयों पर प्रभावी विद्या जाता है। शोधविद्यालयों के माध्यम से विद्याकालीन लोगों की विद्याविद्याय समर्पणात्मक का समाचारानन्द कर रहे हैं। अस्तविद्यालयों द्वारा सम्बन्धित सम्बन्ध एवं सम्बन्ध पर सकारात्मक पोषक भेजा रहा है।

इस अधिकारीयन में गृहन भौति के द्वारा
10 मई 2021 समाप्त हो जाएगा।
2021 सुखरात्र तक समाप्त हो जाएगा।
लोगों को आवश्यक और उत्तम कामकाज
किया जाएगा और उत्तम लाइसेन्स
सम्पर्कों का समाप्त किया जाएगा।
समाप्त होने वाले समाप्त किया जाएगा।
उत्तम लाइसेन्स द्वारा समाप्त
अधिकारीयन और योगों के प्रायोगिक सदृश्यों
परिवर्तित किया जाएगा। इस समय 17 से
20 मई 2021 तक +सार्वजनिक अवकाश
दें। सार्वजनिक अवकाश देने का लिए
एक बड़ी बात है। इस बातों में आधारित विधि
परिवर्तन का महत्व से करना एवं पारंपरिक
प्रक्रियाओं के लिए संरोगण और संरक्षण का

कामनाएँ का लिये विधान अर्थात् विधानसभा व परमाणु प्रयोग किया जाएगा।



Marketing Methods	Impressions	Calls
Facebook Advertisements	100	10
Instagram Advertisements	50	1
Twitter Advertisements	50	1
LinkedIn Advertisements	50	1
YouTube Advertisements	50	1
Google Adwords	50	1
Search Engine Marketing	50	1

मूर्ख पाये जा सकती है। वर्णनमें कठोरों महामारी में दो जाने वाली शरणोंसे शरीर पर प्रधान गो रही है, उसके बचने के लिए विशेष रूप से मजबूती होना चाहिए है। इसमें भौतिक स्थानक विकल्प सुनिश्चित है। मार्गित्वान्वयन में दो तरीके सूझे, परन् और, विधियां के व्यापक से प्रति वर्ष प्रतिविधि विद्यार्थियां स्थानोंमें भौतिक के मार्गित्व से पोषण देने का कार्य करती हैं। आज के सबसे म प्रधान्यां ने अपने को अलग सम्बन्धित अनेक प्राण आज की अवधि विशेषज्ञता के लिए बतायी हैं। आज के सब के लिए इसकी रूपीता है। आज के सब के मार्ग में अमीरकांड विद्यार्थियां तो जैसा साकार क्षमतावान् महाविद्यालय की पूरी विजय है। विद्यालय में ले रखें विश्वविद्यालय विद्यालयका अवधि विशेषज्ञता, तो विजय है।

उनमें होम आइडेन्टिफिकेशन में रह रहे लोगों के पापण के सम्बन्ध में कहा गया है कि यह गमी वे भौतिक वर्जनों अथवा लेने के अप्रयत्नकारी नहीं हैं। सामाजिक तापान्वयन का परिणाम ले। बहुत अधिक काहा लेने के अप्रयत्नकारी वे समाजपाली हैं जो लकड़ी हैं। योगाना और भोजन के लिए है वहाँ ले, चैलेन्ज औरटीन की मात्रा में खड़िकराहे।

उनमें उपस्थित दरबारीकों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए अन्तिम भावितावानों को दूर किया जाना चाहिए। इनका अनुभव से उत्पन्न हो जानी है। इसके पासों के समन पर करना विषयाली बहुत दिया। मध्यम, नीतें, छह योगों आंतरिक विवरणों के सम्बन्ध लोगों को यह अपनाना दृढ़ा होता है। उनके लिये उपर्युक्त अधार के विषय से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर भी अत्यधिक विश्वास दायर करते होते हैं।

કોવિડ સેંટર મેં ફલ કા વિતરણ કિયા



હોશગાબાદ, જય શ્રી મહાકાળ સેવા ચાર્ચિંગ દ્વારા ગુરુવાર કો કોવિડ સેંટર બાઈબ્સ્ટ મેં કોવિડ-19 મરીજો કો ફલ વિતરણ કિયા। સમિતિ કે સદસ્ય રજત બધેલ, દાદા ભાઈ લક્ષ્ણ સિંહ રાજપૂત, આકાશ ખડેલાલત, સેનુ સરાઠે, કરણ દૌહરે ને ફલ વિતરણ કિયા। કોરોના મહામારી કે પ્રકોપ મેં મહાકાળ સેવા સમિતિ સદેવ કોરોના હોદ્દોઓ એવ કારોના મરીજ મહિત અન્ય ગરીબો કી મદદ કે લિએ મહાકાળ સેવા સમિતિ સદેવ તત્પર રહ્યું કર્યાં હોય।

હોમ આઇસોલેશન વાળે શ્રમ કે સાથ પોષણ પર ભી ધ્યાન દેં ઓનલાઇન પરામર્શ સે સમજાયા વીઝીડી કા મહત્વ, આહાર સંબંધી ભ્રાંતિયાં દૂર કી

પત્રિકા ન્યૂઝ નેટવર્ક

patrika.com

હોશગાબાદ, અસ્પિતાલે, કોવિડ સેંટરોને મેઝલાજ કે સાથ જો લોગ હોમ આઇસોલેશન મેં હેઠલને લિએ ઓનલાઇન તરીકે સે આવશ્યક સલાહ વ મોટિવેશન કિયા જા રહ્યું હૈ। ગુરુવાર કો ગુગલ મીટ વ વાટસએપ ગુપ કે જરિએ વેક્સીનેશન, એજુકેશન ઔર ડોનેશન યાની વીઝીડી કા મહત્વ સમજાતે હુએ સવાલોને કે જરિએ આહાર સંબંધી ભ્રાંતિયોનો ભી દૂર કિયા ગયા, તાકિ હોમ આઇસોલેટેડ મરીજ કોરોના સંક્રમણ સે નિજાત પાકર પહોલે કી તરહ જલ્દ દર કિયા ગયા। કાતા દેં શાસન વ્યારા ઇસ તરફ કી કાઉન્સિલિંગ કે લિએ



હોશગાબાદ મે ગલ્સ કાલેજ કો જિમ્પેદારી દી હૈ। મઝે મે ચોથે ઔર અતિમ સત્ર મે 43 સદસ્ય જુડે। કામિની જૈન ને બતાયા કી સત્ર મે વીઝીડી યાની બી ફાર વેક્સીનેશન, બી ફાર એજુકેશન ઔર બી ફાર ડોનેશન કે બારે સકારાત્મક સવાદ કે જરિએ દૂર કિયા ગયા, તાકિ હોમ આઇસોલેટેડ મરીજ કોરોના સંક્રમણ સે નિજાત પાકર પહોલે કી તરહ જલ્દ રોચક જાનકારી દી ગઈ। ચિકિત્સક ડૉ. કુલદીપ દુબે એવ ડાઇટીશિયન શુચિતા શીવાસ્તવ ને લોગોની કોરેનોસ સે સંબંધિત ચિકિત્સા એવ આહાર સંબંધી ભ્રાંતિયોની નિરાકરણ કિયા।

સત્તા સુધાર

હોશગાબાદ

વેદ:વી ઈડી - વૈવસીનેટ એજ્યુકેટ ડોનેટ એક મૂલમંત્ર : ડૉ. કુલદીપ દુબે



હોશગાબાદ (સત્તા સુધાર) | કોરોના સે પ્રકાશિત હુએ લોગ જો હોમ આઇસોલેશન મેં હત હોય હૈ, તરફક લિયે કાંડ્રેલિંગ હેતુ શાસન દ્વારા શાકોચોય ગુરુવિભાગન અનુભવોનાર અધ્યાત્મી મહાલિખિદ્યાલય કો જો કાર્યભાર દિયા ગયા હૈ। તરફક અતીમંત્ર અધ્યાત્મી મહાલિખિદ્યાલય કો પ્રાચીય ડૉ. શીમતી કામિની જૈન ને કાતા કિ મહાલિખિદ્યાલય પોલ્યાન્ટ કે સાલાન એવ અચ્ય કુલ્દુજોલી અંફલાન્ન પરામર્શ સન્નેસ વ્હાટસએપ ને માયામ સે લાગુ હોય હૈ। સાથ લી ગુગલ મીટ પારિનાલન રેલ્યાન્ડ સારો કા આયોજન બી કિયા જા રહ્યા હૈ। પ્રશ્ન સત્તા ચાર દિન રાત્રો કા આયોજન કરાવુણ કિયા જા રહ્યા હૈ। ઇસ સત્તા શારીરિક સ્વધાર હેતુ સંકારણક સંબદ્ધ કે અંગત 2.0 માર્ફ ગુરુવાર કો ચોથા ઔર અંતિમ સત્ર કા આયોજન કિયા ગયા। ગુરુવાર કો મૂલ્ય અતિથિ વકાર કે રૂપ મેં ચિકિત્સક ડૉ. કુલદીપ દુબે એવ

ડાઇટીશિયન સુધી શુચિતા શીવાસ્તવ હ્યાપર ચોચ ઉપયુક્ત હુએ।

દૉ. કામિની જૈન ને બતાયા કી આજ હોમ આઇસોલેશન કાર્યાલય સાથું માર્ફ નાથ સદસ્યોને એવ આહાર સંક્રમણી પ્રસ્થાન કે તરફ ભી ઊંઘને કિયે સો ચાંપો કે લિયે તારથોરી સિન્ક રહે। નોંધને કાંચા કે વસ્તુના મે લોગોને એવ ચિકિત્સા એવ આહાર સંબંધી અનેક પ્રાચીય એવ ડાઇટીશિયન કે પણાંનો કો મહાત્મા આવશ્યકતા હૈ તાકિ હોમ આઇસોલેશન કાર્યાલય સાથું માર્ફ નાથ સદસ્યોને એવ ચિકિત્સા એવ આહાર સંક્રમણી પ્રસ્થાન કે તરફ ભી ઊંઘને કિયે સો ચાંપો કે લિયે તારથોરી સિન્ક રહે। આંગલ લોગોને કો જોનનીશીની સે શારીરિક શ્રદ્ધા કે વિનાય હોય ચુકા હૈ જો બીમાર્યોની કા કાણ જન રહ્યા હૈ। પ્રશ્ન કે સાથ પોષણ ભી શરીરની કો માલાદૂની વનતા હૈ ઔર બીમાર્યી સે લાડુને મેં સહાયતા કરાયા હૈ। ઊંઘને હત ખી ચાંપો કે લિયા જાનાર સમૃદ્ધ મેં ચિકિત્સા એવ પ્રશ્ન પ્રાણ હોય હોય હેઠલને ચિકિત્સકીય પરામર્શ હેતુ કાલેક્ટર મહાલ્ય સે ચિકિત્સકીય પરામર્શ હેતુ કાલેક્ટર મહાલ્ય સે ચિકિત્સકીય

હે। અગાલ સત્તા કોવિટ કે દીરાન લોગ અનેક મનોબેન્નિનિક સમયાઓ એવ પરિસ્તિ હો રહે હૈ, જિમાકે લિયે બનોવેન્નિનિકોનો કો ઇસ અનલાઇન સત્ર મેં આમાત્રા કિયા જાયો। આજ કે સત્ર મેં આમાત્રા અભિપ્રાય વકાર કે રૂપ મેં લીન્ન, કાલ્ચીપીપ દુલે જો કાંડ્રેલિંગ સંટર માલાદ્યોદી મેં અપની સેલાયો દે રહે હૈ ને કારોના કે લાઘુન, સાલખાની ઔર ડાયુચાર કે સમબંધ મેં લિસ્ટાર સે બતાયા। ઊંઘને બનું હી રુચિકર તરીકે સે કોરોના કે લિયે તેદું નો ઈ લી કે પુનુરૂપ કો વિસ્તારિત કરાયે સમયાના કે લિયે તારથોરી સિન્ક રેવસ્ટોનેશન, ઈ ફાર એજુકેશન ઔર લી કો ફાર છોનેશન। કોરોના મહામારી કે સમય અધ સ્વધાર પીએ સંબંધી લોગોનો કો ડાયરી ઇન લીન્ન વાતો કે લિયે જાયોક કોઈ કોણી લોગોનો પરાન પૂછે ઔર પ્રાણ તરારો સે સંપૂર્ણ હુએ।

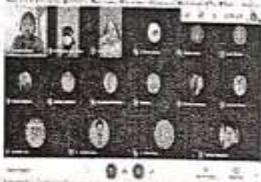
ગુરુવાર કે સત્ર મે ડાઇટીશિયન સુચિતા શીવાસ્તવ, ઈન્ડોર સે હોમ ચોચ જુદી ઊંઘને કાંચાન કે સ્થાન હોય હૈ। સાથ લી કોઈ ફલ કે અન્યાની આહાર સુધી મેં ભી ચોચ કોઈ આહાર સંક્રમણી પ્રસ્થાન કે તરફ ભી ઊંઘને કિયે સો ચાંપો કે લિયે તારથોરી સિન્ક રહે।

દૉ. કામિની જૈનને કાર્યાલયાન્ન સ્ટાફ સદસ્યોને એવ રૂપ મેં લીન્ન, શીકાત દુલ, ડૉ. અણક કાર્યાલયાર, ડૉ. રાગેની દુલ, ડૉ. એ. એમ. દાના, ડૉ. ચંગીની પાર, ડૉ. લિંગયા દેલાસ્કર, ડૉ. આશીષ સોંગેની, ડૉ. નોંધ પાર, શીમતી નીતા સોલાકીની તથા કાન્ફ્લૂર લિસ્પાર, આઈ. ડૉ. સેલ કે સદસ્ય શીમતી આખા વાયાચ, શેલેન્ડ લિસ્પાર, દેવદ સેનેરી, જાલજ બીવાસ્તવ, બલરામ ચાદ્વ, મનોજ સિસ્ટોર્ડિયા એવ રાજેશ ચાદ્વ ઇસ અનલાઇન સત્ર મેં મૌજૂદ હોય।

वेद : वीईडी - वैक्सीनेट एजुकेट डोनेट एक मूलमंत्र

कृष्णदेव नर्मदापत्र

कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये काउंसिलिंग हेतु शासन द्वारा शासकीय गृहविज्ञान सांतोत अधिनी महाविद्यालय को जो कार्यभार दिया गया है। उसके अंतर्गत अधिनी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कह कि महाविद्यालय पीठवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिजीवी ऑफिसिन परामर्श संदेश क्लासेस्प्र के माध्यम से भेज रहे हैं। साथ ही गृह घट पर अॅनलाइन संचाद सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति साल हाँ चार दिन इन सत्रों का आयोजन किया जाता है। इस साल हाँ शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संचाद के अंतर्गत आज दिनीक 20 मई 2021 को



बौद्ध और अंतिम सत्र का आयोजन किया जा रहा है। आज के मुख्य अंतिम बन्दो के रूप में चिकित्सक डॉ. कुलदीप दुबे एवं डाइटीशियन सुश्री शुचिता श्रीवास्तव हांगर बीच उपस्थित हैं। डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि आज होम आइसोलेशन क्लासेस्प्र समूह में आज पुनः 43 नए सदस्यों को जोड़ा गया है। उन्होंने कह कि कर्तव्यान में लोगों में चिकित्सा एवं आहार संबंधी

अनेक ग्राहियां हैं जो कोरोना में बाधक बन रही हैं। ऐसे में चिकित्सकीय एवं डाइटीशियन के परामर्श की महती आवश्यकता है ताकि कोरोना से जल्दी बीता जा सके। अज्ञकल लोगों की जीवनशैली से शारीरिक श्रम विलुप्त हो जाता है जो कोरोना का कालण करने रहा है। प्रम के स्थाय पोषण भी शरीर को मजबूत बनाता है और बीमारी से लड़ने में सहायता करता है। उन्होंने यह भी बताया कि लगातार समूह में चिकित्सा से सम्बंधित प्रश्न प्राप्त होते हैं जिनके चिकित्सकीय परामर्श हेतु कलेक्टर महोदय से निकित्सक की सहायता मार्गी है। अगले साल हाँ वैक्सीन लोग अनेक मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ग्रसित हो रहे हैं, जिसके लिये मनोवैज्ञानिकों को इस अॅनलाइन सत्र में आमंत्रित किया जायेगा। आज

के सत्र में आमंत्रित अंतिम बन्दो के रूप में डॉ. कुलदीप दुबे जो कोविड सेंटर मालाखेड़ी होशंगाबाद में अपनी सेवायें दे रहे हैं ने कोरोना के लक्षण, सक्रियाओं और उपचार के सम्बन्ध में विस्तृत से बताया। उन्होंने बहुत ही सचिक तरीके से कोरोना के लिये वेद-ज्ञानी इंडी के पूर्ण रूप को विस्तारित करके समझाया कि वी पर्स वैक्सीनेशन, ई फॉर एजुकेशन और डी पर्स डोनेशन कोरोना महामारी के समय आप स्वयं भी और सभी लोगों को उपलोक इन बातों के लिये जास्त कीजिये। गृह घट पर में उपस्थित सदस्यों ने चिकित्सक और आहार संबंधी अनेक प्रश्न पूछे और प्राप्त उत्तरों से संतुष्ट हुये। आज के सत्र में डाइटीशियन शुचिता श्रीवास्तव, इंदौर से हमारे बीच जुड़ी। उन्होंने कोविड ग्रसित

लोगों को जोक आहार लेने की सलाह दी। साथ ही कीवी फल की उपयोगिता और उसके मूल्य के विषय में भी चर्चा की। आहा सम्बन्धी प्रश्नों के उत्तर भी उन्होंने दिये सो सभी के लिये उपयोगी सिद्ध रहे। महाविद्यालयीन स्टाफ सदस्यों के रूप में डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. अहन सिकरवार, डॉ. गणिनी दुबे, डॉ. ए. एस. खान, डॉ. हर्ष चंदन, डॉ. ज्योति नुनारे, डॉ. कंचन वर्कुर, डॉ. दीपक अद्विवार, डॉ. किण्ण विश्वकर्मा, डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. मनोज चौधरी, डॉ. आशीष सेहगौर, डॉ. संवेता पारे, डॉ. विजया देवास्कर, डॉ. टी. सेल के सदस्य आभा वापवा, बलाम यादव, मनोज सिसोदिया एवं गणेश यादव इस अॅनलाइन सत्र में उपस्थित रहे।

होम आइसोलेशन वाले श्रम के साथ पोषण पर भी ध्यान दें ऑनलाइन परामर्श से समझाया वीईडी का महत्व, आहार संबंधी भ्रातियां दूर की

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

होशंगाबाद, अस्पतालों, कोविड सेंटरों में इलाज के साथ जो लोग होम आइसोलेशन में हैं। उनके लिए ऑनलाइन तरीके से आवश्यक सलाह व मोटिवेशन किया जा रहा है। गुरुवार को गूगल मीट व वाट्सएप ग्रुप के जरिए वैक्सीनेशन, एजुकेशन और डोनेशन यानी वीईडी का महत्व समझाते हुए सबलों के जरिए आहार संबंधी भ्रातियों को भी दूर किया गया। बता दें शासन द्वारा इस तरह की काउंसिलिंग के लिए



होशंगाबाद में गल्स कॉलेज को जिम्मेदारी दी है। मई में चौथे और अंतिम सत्र में 43 सदस्य जुड़े। कोरोना में बाधक बन रही चिकित्सा एवं आहार संबंधी कई भ्रातियों को विशेषज्ञों व डायटीशियन के जरिए दूर किया गया, ताकि होम आइसोलेटेड मरीज कोरोना संक्रमण से निजात पाकर पहले की तरह जल्द स्वस्थ हो सकें। अगले सप्ताह कोविड के दौरान अवसाद, मानसिक तनाव जैसी समस्याओं का निदान

मनोवैज्ञानिकों की मदद से दूर किया जाएगा। कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि सत्र में वीईडी यानी वी फॉर वैक्सीनेशन, ई फॉर एजुकेशन और डी फॉर डोनेशन के बारे सकारात्मक संचाद के जरिए रोचक जानकारी दी गई। चिकित्सक डॉ. कुलदीप दुबे एवं डाइटीशियन शुचिता श्रीवास्तव ने लोगों की कोरोना से संबंधित चिकित्सा एवं आहार संबंधी भ्रातियों का निराकरण किया।

वेद : वी ई डी - वैक्सीनेट एजुकेट डोनेट एक मूलमंत्र

लाली में हमारा बहुत लोकाधारा, होटेलगाड़

कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये काटसलिंग हेतु रासान द्वारा शासकीय गृहविधान स्थानकोत्तर अप्रौणी महाविद्यालय को जो कार्यभार दिया गया है। उनके अंतर्गत अप्रौणी महाविद्यालय की प्राचार्यां डॉ. कामिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिजीवी औफलाइन परामर्श संदेश क्लास्टसएप के माध्यम से भेज रहे हैं। साथ ही गुणल मीट पर औनलाइन संवाद सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति सप्ताह चार दिन इन सत्रों का आयोजन किया जाता है। इस सप्ताह शारीरिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवाद के अंतर्गत आज दिनांक 20 मई 2021 को चौथा और अंतिम सत्र



का आयोजन किया जा रहा है। आज के मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में चिकित्सक डॉ. कुलदीप ठुके एवं डाक्टरीशन मुश्ती शुचिता श्रीवास्तव हमारे बीच उपस्थित हैं। डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि आज हम इसोलेशन व्हाट्सएप समूह में आज पुनः 43 नए मरणों को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोगों में चिकित्सा एवं आहार संबंधी अनेक धाराएँ हैं

जो कोरोना में बापक बन रही है। ऐसे में चिकित्सकीय एवं डाइटीशन के परामर्श की महत्वी आवश्यकता है ताकि कोरोना से ललटी जीत जा सके। आजकल लोगों की जीवनरीती से शारीरिक श्रम विलुप्त हो चुका है जो बीमारियों का कारण बन रहा है। श्रम के साथ पोषण भी शरीर को मजबूत बनाता है और बीमारी से लड़ने में सहायता करता है। उन्होंने यह भी बताया कि लगातार समूह में चिकित्सा से सम्बद्धि प्रश्न प्राप्त होते हैं जिनके चिकित्सकीय परामर्श हेतु कलेक्टर महोदय में चिकित्सक की सहायता मार्गी है। अगले साल कोविड के दौरान लोग अनेक मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ग्रसित हो रहे हैं, जिसके लिये मनोवैज्ञानिकों को इस ऑनलाइन सत्र में आमंत्रित किया जायेगा।

कोरोना महामारी को लेकर छात्र-छात्राओं में लाई जा रही जागरूकता

महाविद्यालयों में जारी है जागरूकता कांफ्रेस

होम सांइस कॉलेज में कोविड पर ऑनलाइन संवाद का आयोजन

हरिहरनि न्युज | भूतोंगाबाट

कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये कार्डिसलिंग हेतु शासन द्वारा शासकीय गृहविधान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय को जो कार्यपाल दिया गया है। उसके अंतर्गत अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डा. कमलिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिलीली औरप्रशासन परम्परा संनेह व्हाइटपेपर के माध्यम से भेज रहे हैं। सबसे ही गम्भीर नीट पर ऑनलाइन संवाद सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति सप्ताह चार दिन इन सत्रों का आयोजन किया जाता है। इस सप्ताह शारीरिक स्वास्थ्य हेतु



समकारात्मक संवाद के अंतर्गत गुरुव्यापार को चौथा और अंतिम सत्र का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में चिकित्सक डॉ. कुलदीप दुबे एवं डॉ. डाइटीशन शुचिता श्रीवास्तव हमारे बीच उपस्थित हैं। डॉ. कविनीलजी जैन ने बताया कि हेम अवाइसोलेशन बहदर्साप्तम सम्पूर्ण में आज पुनः 43 नए सदस्यों को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोगों में चिकित्सा एवं आहार संबंधी अनेक भ्रातिरिक्ष हैं जो कोरोना में बापूक बन रही हैं। ऐसे में चिकित्सकीय एवं डाइटीशन के परामर्शकीय महत्वी आवश्यकता है ताकि कोरोना से जास्ती जीता जा सके। आजकल लोगों की जीवनशैली से शारीरिक श्रम विठ्ठल हो चुका है जो बीमारियों का कारण बन रहा है।

ਪੰਡੇਖਾ

હોશંગાબાદ

yugpradesh.com

દોશંગાવાદ, શુક્રવાર 21 માર્ચ 2021

08

વેદ : વી ઈ ડી - વૈકસીનેટ એજ્યુકેટ ડોનેટ એક મૂલમંત્ર

पर्याप्त विवरण

कोरोना से प्रभावित हुए लोगों को देखते समय वह यह कहते हैं कि इन्होंने बाहरी सामग्री गुप्ती के बाहर नहीं आयी। मार्किटिंग को जो परिवर्तन दिया रखा है। उनके अनुसार अपरिवर्तनियत वाली वस्तुओं का विवरण भी किया जाएगा। फिरने और ने कहा कि मार्किटिंग वाली वस्तु के बदलते ही वस्तु का अवलोकन बदल जाएगा। अपरिवर्तनियत वाली वस्तु के बदलते ही वस्तु का अवलोकन बदल जाएगा। अपरिवर्तनियत वाली वस्तु के बदलते ही वस्तु का अवलोकन बदल जाएगा।



के संरक्षण में अतिरिक्त अवैतनिक वाहनों के काम परीक्षा नहीं। एक सुनिश्चित दृष्टि द्वारा यह जीवन के साथ संतुलित रहने के लिए बहुत ज़्यादा ज़्यादा विभिन्न समाजों द्वारा लोकों के लिए लक्षण, समाजान्वयन और उत्तराधिकार के सम्बन्ध में विचार करने चाहिए। इसीलिए बहुत ही विविध विभिन्न समाजों में से कोईको के लिए वेतन नहीं होता ही जैसे कुछ अन्य काम को विस्तारित करना। समाजान्वयन की यही परीक्षा विवेकानन्दसे द्वारा आगे बढ़ायी गई एक विवरणीय और यही फ़िर विवेकानन्दसे द्वारा आगे बढ़ायी गई एक विवरणीय। योगी समाजों के साथ जुड़ने की विवरणीय सभी और सभी लोगों को आवश्यक इन तीन विवरणीय के लिए जाकर करनीचाही। प्राप्त तीन विवरणीय सभी को नियन्त्रित करने और उत्तम सम्बन्ध अपेक्षित प्रबल पृथक् और प्राप्त उत्तम से महानुपृथक्। आग के समय में एकटुकूर्मन्त्र वृक्ष विवरणीय, वृक्ष से दूसरी वृक्ष विवरणीय। दूसरी वृक्ष विवरणीय

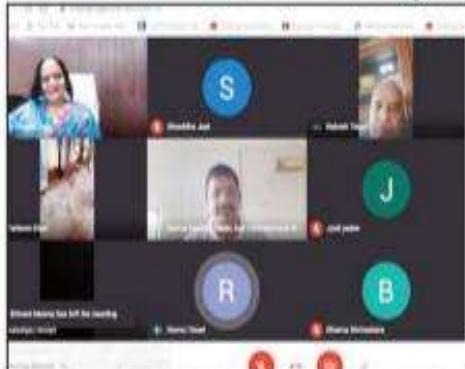
लिंगी की पोषण अवार नेपे की मालाह है। माला
ति की पोषण पक्ष की उत्तमता है और उत्तम
संवेदन से वास्तु की भौतिकीय की
प्रत्यक्षणे के लिए भी उत्तम हैं ऐसे मनोकी लिए
उत्तमता की गिरावट है। वास्तु की अस्तक
स्थिति की गिरावट में भी उत्तमता की गिरावट है। अस्तक
स्थिति कारण, तो, उत्तमता पूर्ण, ई, और, एस, खान,
जैसी वास्तु चर्चाएँ, तो, जाति विवरण, तो, अवस्था
उत्तम, तो, योग्य अवस्था, तो, विकास
विवरण, तो, अवस्था विवरण, तो, मध्यीक
पीढ़ीएं, तो, अवस्था मध्यीक, तो, समर्पण पार,
जैसी वास्तु चर्चाएँ, तो, विकास
विवरण, तो, अवस्था विवरण, तो, मध्यीक
पीढ़ीएं वास्तु, वास्तु वास्तु, मध्यीक
प्रिव्विवरण वास्तु वास्तु वास्तु इस अवस्था से
में उत्तमता है।

कोरोना से जीतने में होमियोपैथी की भूमिका: प्राचार्य डॉ कामिनी जैन

अपनी खोजीं द्वारा प्राप्त

स्वामीजी युद्धिक्रम सामाजिक
भवित्वों परिवर्तनाकार, हमें सामाजिक दृष्टि
पेंचवार को आवश्यक होय आधिकारिकता
में रह रह उन लोगों के लिये यह अभिवृद्ध
रह रह है, जिनमें विकलांगता राहती भी
आवश्यकता है। अपने बाहर और जै
विकलांग वर्गों के लिये असामिकता का
सामाजिक एवं राजनीतिक
वर्किंग सामूहिक कर रहा
है। जल या जली ही जल है कि दशाओं
से संबंधित धूप धूप दिये जायें और लोग
विभागों के साथ यह समर्पण करना ही इन
वर्कोंका सामाजिक घटायारी की तीक्ष्ण
समाजिक विशेषज्ञी की भूमिका है।

जात के इस अभियान में वृक्षों पूर्वानग साक्षोत्तर भारपौरा महाराष्ट्रालय की प्राप्ति द्वारा कियी गई न कहा की यह भारपौरा ही का विषय है अब उत्तर-देश 100 से भी अधिक सोने माणित हैं। जहाँ विधान सभा है इस समाज विकास पट्टिकाएँ से सम्बन्धित समस्याएँ मुख्य पट्टिका का विषय होती है। विधायिक विधान सभा से जूते सभा जात विधायिक विधान सभा से जूते सभा जात दूसरी विधायिक



पुरुष अविवाहित युवक के लिए मैं भी आशा में हीमोप्रोटीन विकासक और दौरान प्राप्ति की जो उत्तमता होगी तब उनकी ओर से उत्तम विकास होगा है। योग्यता समय में विविध विकास स्तरों का सामान्य विवरण यह है, इसके बारे में उद्देश्य अपने अन्य व्यक्ति का विवरण है। यथोच्च विविध विकास यथा विविध विकास स्तरों का सामान्य विवरण यह है, इसके बारे में उद्देश्य अपने अन्य व्यक्ति का विवरण है।

जीवित वक्ता के लग में जोड़ने वाले दौरे प्रति ने कहा कि कोलाइन की दौड़ प्रियोट अपने उक्त लक्षण प्राप्त कर देता रहा है। इस समय लंबी, खाली, चुपचाप और को व्यासाय रूप से बहुत गंभीरता से है। यदि अधिकारीक वक्ता लंबा रुप से रहा है तो उसका लक्षण अपने पृष्ठवर्फ करने की विधि। यदें वे हाईप्रोटीनी दौड़ की विधि को संपादित में अपनी विशेष महत्वता

मिल होती है। उनमें पैसेवास्तव को जरूर बढ़ाव देने का काम कि उसमें हीम वाले ग्राहकोंपाठ भगवान् ऐसे बुझते अन्य, इन्हींने ग्राहकों हीले अवधि के लिए पर्याप्त शुद्ध दीमांगोंपाठ देकर ने तो जाते तो उसमें बहु वा महात्मा। वैशिङ्ग में उपस्थित सद्गुरुओं के प्रत्यन्य का ताता देखे वज्राणे के लिए कोंठोंपाठ सुना है। यह काम में काम न करने का ही वैष्णवीन लक्षण है। यह बीती, प्रातः, द्वारा नववधि विद्यार्थी ही तो उससे दक्षाताओं से लाभ नवाचन दिलाया जा सकता है। यहाँ ही उक्तने वह भी वज्राणा कि वज्राणे इन्हींने बधाया है इस वज्राणे की जीवा को छोड़ दिया है और यो भजन एवं वज्राणा द्वारा प्रभावित हो। इस वज्रेक लोटीक वाम प्रवाहक शोध उठानी होती और इस वज्र को जीवा होता। इसके पासक भौं पर्याप्त शुद्धीयोंपाठ में ही जाती ही तो उसे वज्र की इच्छा वालक भोजनकारी की भौं वज्र को लिंगात्मक से बदलती। होमांगोंपाठ में इसी नियमक कारण इसमें ही विवेच इत्यर्थ सम्भव है। कामापन के ताता में दो गोपीनंदा विद्यार्थी ने वज्राणेवास्तव को प्राप्त की दूसरी

जिले में वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं जरूरतमंदों को घर बैठे पहुंचाई जा रही सहायता

अन्त अंकारा

कोरिया संस्कृत की चारोंनदे के बीच
आश्रय की तरफ, पारम्परिक में महान
कर्तव्य के साथ उक्ती विजय कामोंपरिवार
किए जाने तक हास आइसेस्टेट फैटोज
को आधारित विविधताकौण पाराम्परिक
उत्तराध्य कराने की अनुभूति प्राप्त किये गए
प्रतीक की थी। जिसे में बुद्धाश्रम,
विद्युत एवं वरकारालयों को पर छेत्र हा
उत्तरी महाभाग पूर्णतया जाने के लिया
किया ग्राहण द्वारा सार्वजनिक प्रयोग
किया गया है।

काल्पनिक पर्यावरण सिंह के नेतृत्व में जिसे के दृष्टिकोण द्वारा इसी अवधि में ही ऐसी समाजिक नवीनीकरणों के लिए अभिभावक प्राप्त किया गया है अभिभावक के द्वारा कोरोना संक्रमण क्षेत्र में उन नई चुंगों को अपनी समाजिक के लिए अभिभावक गतिशीलताएँ संबंधित की जाएंगी। सिंहके लिए नोडल अभिभावक बनने लगे हैं। अभिभावक के द्वारा



विस्तृत एक माह में इन बत्तों में 1600 लोगों
को कार्यस्थल, 348 की विवरण से विभिन्न
कार्यक्रम में लाभान्वित, 174 को कर के
रहने पर्यावरण उन्नति करने गई और 52
को वनवादीकों को विद्युत कंपनी संस्थान में भर्ती

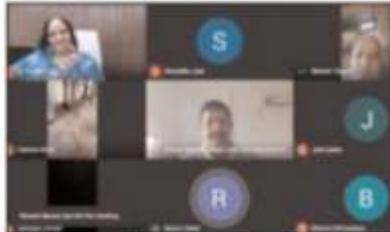
लाला वर्षीय, देव, प्राचीन, यथा भूमि
की बहुतीय तथा अक्षरात्मक, तब विश्व
से ज्ञानार्थ के लिये संविधान तथा नियम
विभिन्न विद्याएँ पर ज्ञानात्मक सही त
आधीकन विद्या तथा हैं। उनमें काहिं
कि अभी तक मरी की गोदी, भूमिकी
संविधान, तत्त्वज्ञान विद्या तथा मानवात्मक
संविधान, मानव विद्याएँ तथा भूमि का
एवं एवं कानूनात्मक सही तथा अद्वितीय

मध्यसंग्रह के लागू होने व्यवस्थोंरह मध्यों
की संविधान विभाग के साथ से
इन्हें देखते हुए इनका अधिकारी
नियमित रूप से उन्हें बदल देता है। इनके
द्वारा होने व्यवस्थोंरह मध्यों की विभाग 45
में विविध ग्राम के 152 को-ऑपरेटरों
मध्यों को प्रतिविधि विभाग के साथ से
सम्बन्ध संबंध जनरलर एवं उन्हें

कोरोना से जीतने में होमियोपैथी की भूमिका

2007/08/19 10:27:22 am, 100%
www.iitkgp.ernet.in/~suresh/

सामाजिक गृहविज्ञान स्थानकोशर अप्रापी महाविद्यालय, दीर्घांशुबाबद द्वारा सोमवार को अध्योत्तिवाही द्वारा अटाइनेशन में रुह रहे उन लोगों के लिये यह अविकल्पन स्वरूप है, जिन्हें विकिटस्ट्रीट परामर्श वाली अवधारणा कहता है। अपने चारों ओर जो विकिटस्ट्रीट पद्धतियों के प्रति असंभवजस का वातावरण प्रत्येक ज़रूरी महामूल कर रहा है। तब यह ज़रूरी हो जाता है कि दाकों से सम्बद्ध भ्रम रुकिये जायें और लोग विष्वास के साथ दाक लेकर ज़ब्द ही इस कोरोना नामक महामारी से जीतकर सामान्य जीवन वाले असरहर हों। आज के इस अंतिमस्तुत में सामाजिक गृहविज्ञान स्थानकोशर अप्रापी महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा क्रमिक जैन ने कहा की यह अत्यन्त हर्ष का विषय है। आज हमारे बीच 100 से भी अधिक लोग मौतिंग में हैं। यह बीच सामाजिक स्वरूप है, इस साझह विकिटस्ट्रीट पद्धतियों से सम्बद्ध सकारात्मक संवाद किये जायें। जिससे चिकित्सा पद्धति का विष्वास के साथ जातना कर कोरोना से जीत सकें। आज हमारे बीच मुख्य अतिरिक्त वक्ता के रूप में भोजन से होनेवाले विकिटस्ट्रीट द्वारा पेश की गया वातावरण जी को परामर्श हेतु आज की भीट में अप्रापीत किया है। वर्तमान समय में



विविधसंक सम्बन्ध से ज्याततम जीवन जी रहा है, इसके बाद भी उन्होंने अपना अमृत्यु समय दिया। शासकीय गृहविद्वान् स्नातकोत्तर आगांगी महाविद्यालय परिवार उनका इटम से आधारी है। आज के मुख्य अतीथ वक्ता के रूप में जीड्डन हुए ढूँढ़ीपेश वाटव ने कहा कि कोरोना की ट्रेस्ट रिपोर्ट अनेक तक इन्हाँत प्रारंभ बर देना चाहिए। इस समय सदी, राष्ट्रीय, बुशुर आदि को समाज न भासते हुए गंभीरता से ले। यदि अधिसौन वक्ता का स्वतंत्रतात्तर काम हो रहा है तो तुम्ह इस्टमेट में एक्स्प्रेस करना चाहिए। ऐसे में लोक्योगियों द्वारा ये स्थिति को संभालने में अत्यधिक सहायक मिल जाती है। उन्होंने वैकल्पिकेनान को जारी बताते हुए कहा कि इससे होने वाले ताकातिक प्रभाव जैसे बुशुर आगा, इम्फिनी प्रभावित होना अदि के लिये यदि कह

ऑनलाइन पटमर्यादा देने वाली लोगों की जीवन शैली

रिपोर्ट आने तक उपचार शुरू कर देना चाहिए

प्रदेश टुके संवाददाता होशंगाबाद

गृहविज्ञान महाविद्यालय द्वारा
अकादमीज़िल होम अड्डसोलेशन में रह
रहे उन लोगों के लिए यह ऑफिसलाइन
सत्र है, जिन्हे चिकित्सकीय परामर्श
की आवश्यकता है। अपने चारों
ओर जैसे चिकित्सा पद्धतियों के प्रति
असमंजस का बातावरण इन्वेक्टिव
व्याप्ति महसूस कर रहा है। तब यह
जरूरी हो जाता है कि दवाओं से
संबंधित ग्रम दूर किए जाएं और
लोग विद्यास के साथ दवा लेकर
जाना ही इस कोरोना नामक महामारी
से जीतकर सामान्य जीवन की ओर
अग्रसर हों। ऑफिसलाइन सत्र में
शामिलीय गृहविज्ञान महाविद्यालय की
प्राचार्य हाँ कामिनी जैन ने कहा की



यह अत्यंत हर्ष का विषय है आज हमारे बीच 100 से भी अधिक लोग मीटिंग में हैं। यह चौथा साप्ताहिक सत्र है, इस सप्ताह चिकित्सा पद्धतियों से संबंधित सकारात्मक संवाद किए जाएंगे। जिसमें चिकित्सा पद्धति का विश्वास के साथ पालन कर कोरोना से जीत सकें। मुख्य अतिथि बता डॉ. ट्रीपेश यादव ने कहा कि कोरोना की

टेस्ट रिपोर्ट आने तक इलाज प्रारंभ कर देना चाहिए। इस समय सदी, खांसी, बुखार आदि को सामान्य न मानते हए गंभीरता से लें।

यदि अंकितीजन का स्तर लगातार काम हो रहा है तो तुरंत हास्पिटल में एडमिट करना चाहिए। ऐसे में होमियोपैथी देवाएं स्थिति को संभालने में अत्यधिक सहायक सिद्ध होती हैं।

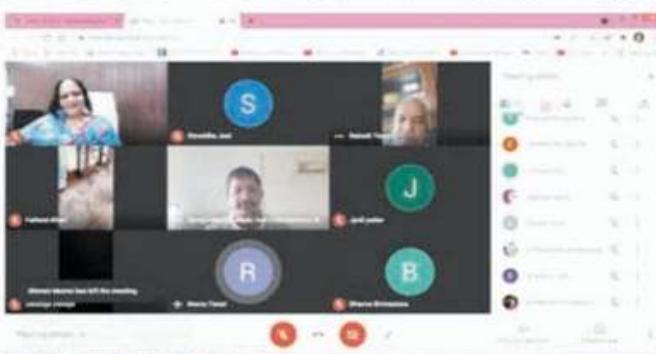
सत्ता सुधार

होशंगाबाद

कोरोना से जीतने में होमियोपैथी की भूमिका....

कोरोना की टेस्टरिपोर्ट आनेतक इलाज प्रारंभ कर देना चाहिये: डॉ. दीपेश यादव

होशंगाबाद (सत्ता सुधार): सोमवार को शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय द्वारा आयोजित हाम आइसोलेशन में रह रहे उन लोगों के लिये वह अौनलाइन सत्र है, जिनके चिकित्सकीय परामर्श की आवश्यकता है। अपने चारों ओर जो चिकित्सा पद्धतियों के प्रति असरदारता का व्याख्यक महसूस कर रहा है। तब यह जरूरी हो जाता है कि दवाओं से संबंधित धम दूर किये जायें और लोग विज्ञान के साथ दवा लेकर जल्द ही इस कोरोना नामक महामारी से जीतकर सामान्य जीवन की ओर अग्रसर हो। सोमवार के अौनलाइन सत्र में शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा की यह अल्टेन हमें का विषय है आज हमारे बीच 100 से भी अधिक लोग भीटिंग में हैं। यह चौथा सामाजिक सत्र है, इस सत्राह चिकित्सा पद्धतियों से संबंधित सकारात्मक संवाद किये जायेंगे। विस्तर संकेतिक पद्धति का विज्ञान के साथ पालन कर कोरोना से जीत सकें। आज हमारे बीच मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में भेषाल में होमियोपैथी चिकित्सक डॉ. दीपेश यादव का एवं प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन का अपने चारों ओर जो चिकित्सा पद्धति एवं उपचार का विवरण किया जायेगा।



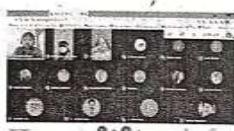
गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय विदेशी विद्यार्थी द्वारा ले ली जायें तो इनमें बच्चे जा सकता है। मीटिंग में उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए वकाया कि यदि कोरोना हो चुका है तब कम से कम 3 महीने बाद ही वैक्सीन लगवायें। यदि वी. पी. पी. मध्यम है, तो पहले दवा ओं से स्वयं सामान्य स्थिति में लायें, तब वैक्सीन लगवायें। मध्य ही उन्होंने यह भी वकाया कि केवल इम्युनिटी बढ़ाकर ही इस बीमारी से जीत जा सकता है और वो आहार एवं व्यायाम द्वारा संभव है। इस सबके अतिरिक्त हमें सकारात्मक सोच रखनी होगी और इस जग को जीतना होगा। इसके पश्चात् भी यदि कुछ अन्योनी जीवन में हो जाती है तो

गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय के रूप में जारी हुए, डॉ. दीपेश यादव ने कहा कि कोरोना की टेस्टरिपोर्ट आने तक इलाज प्रारंभ कर देना चाहिये। इस समस्या सर्वोत्तम लागतकर कम हो रहा है, तो तुरत हास्पिट में एडमिट करना चाहिये। ऐसे में होमियोपैथी दवाओं से स्थिति को संभालने में अतिथिक सहायक सिद्ध होती है। उन्होंने वैक्सीनेशन को जरूरी जाता है हुए कहा कि इससे होने वाले तात्कालिक प्रभाव जैसे चुकार आना, इम्युनिटी प्रभावित होना आदि के

उसे ईंधर की इच्छा मानकर स्वीकार करें और स्वयं को डिप्रेशन से बचायें। होमियोपैथी में ऐसी अनेक कारण दबाये हैं जिनसे इलाज संभव है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रागिनी मिक्रोवार ने महाविद्यालय को प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन का आभार अवकरता हुये कहा कि मीटिंग ने समाज के लिये उपयोगी इस कार्यक्रम में हमें जोड़ा। उन्होंने अपने चारों ओर स्वयं अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. दीपेश यादव एवं अौनलाइन मीट में उपस्थित सभी सदस्यों का महाविद्यालय परिवार की ओर से आभार प्रकट किया। महाविद्यालयीन परिवार के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक सदस्यों के रूप में डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. अरुण सिक्रवार, डॉ. किरण तिवारी, डॉ. भारती दुबे, डॉ. मीना शुक्ला, डॉ. कचन त्रिपुरा, डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. ए. एस. यान, डॉ. आर. बी. शाह, डॉ. ज्योति जूनगर, श्रीमती किरण विघ्नकर्मा, डॉ. अौनलाइन यादव, डॉ. बनोप दीप्तिराज, डॉ. आर्ती यादव, डॉ. निशा रिलारिया, अजय तिवारी, डॉ. नीतू पवार, श्रीमती नीता सोनकी, रामसेवक शर्मा तथा कंप्यूटर विभाग और आई.टी. सेल के सदस्य श्रीमती आभा यादव, शैलेन्द्र तिलारी, देवेंद्र सैनी, डॉ. रीना मालवीय, जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, मनोज सिसोदिया एवं राजेश यादव इस अौनलाइन सत्र में मौजूद रहे।

वेद : वी ई डी - वैतसीनेट एजुकेट डोनेट एक मूलमंत्र

क्रृष्णों से प्राप्ति हुई लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये कार्यसंतुलित हेतु शान द्वारा शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय को जो कार्यपाद दिया गया है। उक्त अंतर्वित अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य चुनिंदाओं अौनलाइन प्रश्नों सहित संवाद सत्रों का वित्तीय अवधारणा के रूप में चिकित्सक डॉ. कलदीप दुबे एवं डॉ. इन्डियनिन मुख्य शुद्धि श्रीवास्तव हमारे बीच उपस्थित है। डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि आज हम अौनलेशन व्यवस्था में आवधि 43 नए सदस्यों को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोगों में चिकित्सा एवं आहार संबंधी



चौथा और अंथिम सत्र का आयोजन किया जा रहा है। आज के मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में चिकित्सक डॉ. कलदीप दुबे एवं डॉ. इन्डियनिन मुख्य शुद्धि श्रीवास्तव हमारे बीच उपस्थित हैं। डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि आज हम मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ग्रासित हो रहे हैं, विस्तर से लिये मनोवैज्ञानिकों को इस अौनलाइन सत्र में चिकित्सक एवं आहार के सत्र में डॉ. इन्डियनिन गुरुजी श्रीवास्तव, दैवेंद्र सैनी एवं राजेश यादव को बताया जा रहा है। आज वेद सत्र के सत्र में डॉ. इन्डियनिन गुरुजी श्रीवास्तव, दैवेंद्र सैनी एवं राजेश यादव इस अौनलाइन सत्र में अप्रैल 20 मई 2021 को

अनेक भावितव्य हैं जो कोरोना में बाधक बन रही हैं। ऐसे में चिकित्सकीय एवं डॉक्टरेशन के सम्बन्धीय की महती आवश्यकता है ताकि कोरोना से जीत जीता जा सके। अौनलेशन लोगों की जीवनसंतुलित से शारीरिक अम लियुल हो चुका है जो श्रीमती कोरण का चरण बन रहा है। अम के सब्द योग, भी शरीर को मवजूद बनाता है और श्रीमती से लड़ने में सहायता करता है। उन्होंने यह भी चुनिंदा जीवन से बचाया कि केवल इम्युनिटी बढ़ाकर ही इस बीमारी से जीत जा सकता है और वो आहार एवं व्यायाम द्वारा संभव है। इस सबके अतिरिक्त हमें सकारात्मक सोच रखनी होगी और इस जग को जीतना होगा। इसके पश्चात् भी यदि कुछ अन्योनी जीवन में हो जाती है तो

के सब में आवश्यक अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. कुमारपीप दुबे जो कोविड सेंटर मालवेंडी होशंगाबाद में अपनी सेवाएं दे रहे हैं जो कोरोना के लिये, स्वास्थ्य की अवधि और उपचार के सम्बन्ध में विज्ञान से बताता है। उन्होंने यह ही सुविकर नीरके से कोरोना के लिये बेंजी ही डॉ. के पूर्ण रूप को वित्तीय करके सदस्याओं की ओर फैला देने के लिये वैक्सीनेशन, ई.पी.ए.ए.एक्सेस और डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. अस्सन शिक्षक, डॉ. ज्योति जूनगर, डॉ. लर्न तिवारी, डॉ. किरण विघ्नकर्मा, डॉ. नीतू पवार, श्रीमती नीता सोनकी, रामसेवक शर्मा तथा कंप्यूटर विभाग और आई.टी. सेल के सदस्य श्रीमती आभा यादव, शैलेन्द्र तिलारी, देवेंद्र सैनी, डॉ. रीना मालवीय, जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, मनोज सिसोदिया एवं राजेश यादव इस अौनलाइन सत्र में मौजूद रहे।



सामुदायिक चिकित्सा कोरोना महामारी का एक हल

हार्दिकार्यका। तत्कालीन प्रधानमंत्री अपनी
नवाचारिता का गोरोंदों के प्रबलित दृष्टि से ही होय
अपनी विदेशी व्यापार के लकड़ी है, उनके लिए कामोंकाम का बाहर
सूखे पूर्ण के विदेशी मालवाहन दर्द के पासमें न कर
हो। उनके अभिनव अपनी मालवाहन विधि को अवश्यक है
(अंग्रेजी) कर्तव्य तेजे करा कि मालवाहन विधि के
सदृश रूप अनुदित्तिकार्यकारीतान नहर्वन नदीने
का विदेशी का साथ से पैदा हो।

बॉलिवुड में विद्यार्थी बॉलिवुड हो सके हैं प्रशिक्षण

सामुदायिक चिकित्सा कोरोना महामारी का एक हल

युग पृथ्वी, नर्मदापरम्।

कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके निये कांडसंलिंग का कार्य गूगल मीट की सहायता से ऑनलाइन सभों के माध्यम से कर रहा है। उसके अंतर्गत अपनी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिजीवों ऑफलाइन परम्परासंबोधन-काल्पनिक कार्यम से भेजे रहे हैं। साथ ही गूगल मीट पर ऑनलाइन संवाद सभों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति उत्तराह चार दिन इन सभों का आयोजन किया जाता है। साथ ही बॉर्डसेप्ट रूपर माध्यम से ऑफलाइन कार्य भी जारी रखा जाता है। अपनी महाविद्यालय की प्राचार्य ने सहायता की कांडसंलिंग एवं अनेक लोगों तक शारीरिक, मानसिक एवं विकल्पीय समस्याओं के लल प्राप्त किये हैं। ऑनलाइन मीटिंग में देशभर के विविध विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने महाविद्यालय के आमंत्रण पर इस कार्य में निश्चित भागीदारी दी। उन्होंने बताया की 1 जून से फलतात्परीक चीथा सप्ताह पूर्ण हो रहा है, जिसमें 100 से अधिक सदस्य उपस्थित हैं। वैसे इधर की अनुकूल्य से होम आइसोलेशन समूह में लोगों की संख्या लगातार कम हो रही है, यह शुभ संकेत है। इस कारण महाविद्यालय



अगले सप्ताह में प्रतिसाप्ताह एक औन्लाइन सत्र करने जा रहा है, परन्तु आवश्यकतानुसार इसे बढ़ाया भी जा सकता है। डॉ. कमिनी जैन ने बताया कि हमारे बीच चंदेस्वर, आजमगढ़ से पधारे थे। राजेंद्र सिंह गणपूर समुदायिक चिकित्सा के विशेषज्ञ हैं ऐसे गौरवपूर्ण अधिकारी परिवार स्वामान एवं अधिनन्दन करता है। हास्त्र में अमरित बोलकर के रूप में थे। राजेंद्र सिंह गणपूर जो समुदायिक चिकित्सा विशेषज्ञ है ने कोरोना के लक्षण साधारणी और उपचार के सम्बन्ध में विस्तार से बताया। उन्होंने बहुत ही रुचिकर तरीके से कोरोना के लिये कोरोना प्रोटोकॉल के अन्तर्गत हाल

झोकर, मासक पठन कर, आपसी दूरी बनाकर अधिके द्वाया कैसे सुखा कवच बनाया जा सकता है एवं लोगों को जागरूक किया जा सकता है ? गृहल मीट में उपर्युक्त सदस्यों ने चिह्नित से और आहार सम्बन्धी अनेक प्रश्न पूछे और प्राप्त उत्तरों से संतुष्ट हुए। आहार सम्बन्धी उत्तरों के उत्तर भी उन्होंने दिये से रसी के लिये उपयोगी मिठद रहे। उन्होंने कहा कि कोरोना से टीक होने व्यक्तिओं के साथ लगभग 40 दिनों तक कोविड प्रोटोकॉल का पालन करना आवश्यक है। यह प्रक्रमन नया व्यायरस है इसलिये इसके साथ समता का भाव रखना होगा न अधिक नकारात्मकता और न अधिक सकारात्मकता। हमें सजग होकर जीना होगा और लोगों को

जागरूक करना होगा सत्र के अंत में आभार प्रकट करते हुये कॉम्प्यूटर विभाग की ढाँचे निशा रिचर्डिया ने इस कार्यक्रम की नीव रखने वाली आदरणीय प्राचार्य मेडम का धन्यवाद दिया। इसके उपरान्त विकल्पीय सिद्धांतों को सम्मानय में पहुँचाने वाले आज के मुख्य अतिथि बक्सा डॉ. राजेंद्र रिहांडुजो जी का आभार करते हुये कक्ष की दरमारे बौद्ध ज्ञान के भण्डार स्वरूप बक्सा के बक्टव्य से आज की मीटिंग में उपस्थित सभी को लाभ हुआ है। आई दी सेल के सदस्यों एवं मीटिंग में उपस्थित सभी सदस्यों का भी आभार प्रकट किया। अगले सत्र की मूल्बना के साथ प्राचार्य की अनुमति से सत्र का समापन किया गया।

सत्ता सुधार

होशंगाबाद

कोरोना से ठीक हुये व्यक्ति के साथ लगभग 40 दिनों तक कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना आवश्यक : डॉ. राजेंद्र सिंह राजपूत

होणावाचार (सरासर मुधार)। यांकीले युवतिजन स्वास्थ्यावारे आगामी माहात्म्यावाले करोना से प्रभावित हुए लोग तो हीन अस्पतालात्मके मरे गो रहे हैं। उक्ते शिरो कावियावाले याकावाले याकावाले याकावाले से अंतर्विद्यान सरोजे के माध्यम से कर रहा है। उक्ते अंतर्विद्यान अपेक्षा मानवावालाने को प्राप्तावाले लोकावाले कर्मावाले जैन वैदिक वाले को व्यावरणावाले याकावाले के सद्वाय तथा अन्य जूड़ीजूड़ी अविद्यावाले याकावाले सन्देश व्यावरणावाले के सद्वाय से भोगा रहे हैं। साथ ही गुणा वाले परि व्यावरणावाले सरोजे के अत्यन्तावाले भी किया जा रहा है। प्रति व्यावरण वाला इन उक्तो कावालों द्वारा किया जाता है। सर्व लोकव्यावरण वाले के माध्यम से अंतर्विद्यान सरोजे भी जीती है। अपेक्षा मानवावालाने अपेक्षा व्यावरण का किया जाना वाला एक व्यावरण वाला को ज्ञानवाला, वार्जनवाला एवं विद्यावाला का सम्मान जो के तात्त्व वाला हुआ है। अपेक्षा व्यावरण वाले द्वारा की विषयविद्यावाले को अपेक्षा वाला द्वारा किया जाना वाला एक व्यावरण वाला के अवश्यकतावाला के अवश्यकता वाला द्वारा किया जाना वाला है। उक्ते अपेक्षा मानवावाला के अवश्यकता वाला द्वारा किया जाना वाला एक व्यावरण वाला द्वारा किया जाना वाला है। उक्ते अपेक्षा मानवावाला के अवश्यकता वाला द्वारा किया जाना वाला एक व्यावरण वाला द्वारा किया जाना वाला है।

प्रतिवर्ष इसके साथ साधा कर पाया रहता है तो - न अधिक नकारात्मका भी न अधिक सकारात्मका। एवं मासा द्वारा जीवा तो और लोगों को आवाहन करता होता। यह करने वें आपका प्रबल करते हुए उपर्युक्त विकास को द्दि दिल विकासका न द्दि विकासम् यही द्दि रहता रहती प्राप्ति लेनां जैसे का विवरण दिया। इसके उपरांत विकासका विवरण को समझने वें याचन करने वाले के मुख्य लक्षणीय वस्तु द्दि, गोलक द्दि द्दरवाजा तो का आपका वास करने वाली ही हमारी जीवा के बाहर आवाहन करने के वस्तुयों से मरणामा की मरीच में उत्पन्न सभी का वर्णन हुआ है।

महाविद्यालय करेगा आनलाइन सत्र

- आनलाइन कांउसलिंग का चौथा सप्ताह हुआ सफलतापूर्वक पूर्ण

होशंगाबाद(ईएमएस)। शा. गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय कोरोना से प्रभावित हुये लोग जो होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, उनके लिये काउंसिलिंग का कार्य गूगल मीट की सहायता से ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से कर रहा है। उसके अंतर्गत अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कमिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य बुद्धिजीवी ऑफलाइन परामर्श सन्देश व्हाट्सएप्प के माध्यम से भेज रहे हैं। साथ ही गूगल मीट पर ऑनलाइन संवाद सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रति सप्ताह चार दिन इन सत्रों का आयोजन किया जाता है। साथ ही वॉट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से ऑफलाइन कार्य भी जारी है। अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य ने बताया कि काउंसिलिंग द्वारा अनेक लोगों को शारीरिक, मानसिक एवं चिकित्सकीय समस्याओं के हल प्राप्त हुये हैं। ऑनलाइन मीटिंग में देशभर के विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने महाविद्यालय के आमंत्रण पर इस कार्य में निशुल्क भागीदारी दी। उन्होंने बताया मंगलवार को सफलतापूर्वक चौथा सप्ताह पूर्ण हो रहा है, जिसमें 100 से अधिक सदस्य

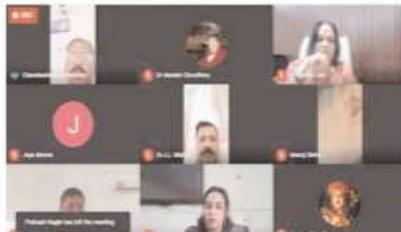


उपस्थित है। वैसे ईश्वर की अनुकम्पा से होम आइसोलेशन समूह में लोगों की संख्या लगातार कम हो रही है, यह शुभ संकेत है। इस कारण महाविद्यालय अगले सप्ताह से प्रतिसप्ताह एक ऑनलाइन सत्र करने जा रहा है, परन्तु आवश्यकतानुसार इसे बढ़ाया भी जा सकता है। सत्र में आमत्रित अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. राजेंद्र सिंह राजपूत जो सामुदायिक चिकित्सा के विशेषज्ञ हैं ने कोरोना के लक्षण, सावधानी और उपचार के सम्बन्ध में विस्तार से बताया। उन्होंने बहुत ही रुचिकर तरीके से कोरोना के लिये कोरोना प्रोटोकॉल के अन्तर्गत हाथ धोकर, मास्क पहन कर, आपसी दूरी बनाकर आदि के द्वारा कैसे सुरक्षा कवच बनाया जा सकता है एवं लोगों को जागरूक किया जा सकता है? गृगल मीट में उपस्थित सदस्यों ने चिकित्सा और आहार सम्बन्धी अनेक प्रश्न पूछे और प्राप्त उत्तरों से संतुष्ट हुये।

टीकाकरण के प्रति जन जागरूकता पर वैबिनार आयोजित, वैक्सीन आपका सुरक्षा घेरा है - चंद्रशेखर वालिम्बे

અધ્યાત્મિક

जापानीकृत विजय खट्टलेश्वर अंग्रेजी महाविद्यालय हालांकांद में बोधवार 7वाँ को कोविड 19 टीकाकरण अभियानः जापानीक जनसंकट के लिए पुष्टीकों की धूमित किया गया और वेंडेंटो का अपेक्षित विजय या मानवानुकालीन कोरोनावायरस की श्रीमानी कामिनी जैन ने बताया कि यसकार द्वारा कोरोना व्यक्तिया में सुखाना केलिए टीकाकरण अभियान तेजी से जारी करा जाएगा। इसके लिए उत्तराखण्ड को लेकर कई जन्म लेसी लेसी देशों को मिल रही है। किंतु लोगों के मध्य दृश्यकों लेकर प्रत्यावर्ती है। दिसंबर की मध्य काली नवमाहान्त में टीकाकरण को लेकर जनसंकट को आधिकारी भी अधिविद्यालय द्वारा जब उनके बीचारा को प्राप्त उद्देश्य टीकाकरण के लिए एक व्यक्तिगत लाने का प्रयत्न कराया गया था। इसका उत्तराखण्ड की ओर से विवरण नहीं दिया गया।



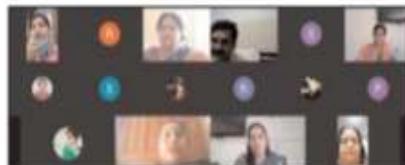
महामारियों का इतिहास बताते हुए कोरेना मे पहले भी सन 1918 नम की महामारी झेली है, जिसके स्वल चाट कोरेना नामक माल कोरेना एक कुटिल एवं चालक प्रीर मे प्रयोग करता है और किंवदं

मूलत आप वेडिंगन में प्राप्ति करने का दूसरा रूप है के दौर सुशील कुमार ने बताया कि कोरोना वायरस य इसके किसी वेक्टर को मृदृग कर शरीर में प्रवाह कराया जाता है जिससे शरीर में उस वायरस के फॉर्म दूसरी तरफ होती है तो उन्होंने वेस्टन क्रेन प्राकार एवं ग्रामिण विधि से विस्तार से प्रकाश दिया। वेस्टन में प्रथम प्रतीक्षा स्वास्थ्य सेवा के पूर्व निर्देशक दौरे एल प्रिया ने वेक्टर को विस्तार पर विस्तार से प्रकाश दिया। वैद्यक दीपेश यादव ने शरीर की विक्रिया को मृदृग करने के लिए होमोपायेटिक द्रव्यमयी को जीवनशीली दीवानेवाला का महाल संचालन द्वारा करना योग्य चाहूँ थीरी ने किया एवं आपार दी अधिकरण यादव ने अब किया। इस अवसरे पर महाविद्यालय के सभी प्राच्छालक एवं बड़ी सामाजिक में छार्जां अप्रील महीने तक बढ़ायी गई।

'ਪਹਲਾ ਸੁਖ ਨਿਰੋਗੀ ਕਾਧਾ' : ਡਾਂਸ਼੍ਰਮਦਾਤਾ ਮਹੇਂਦ੍ਰ ਸਿੰਹ ਰਘੁਵਰਾਂਥੀ

संस्कृती में इनका लाइट संप्रेषण, लोकोगवाद

शासकीय मृगविद्यान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन के मार्गदर्शन में कठीनिकल न्यूट्रिशन एंड ड्रायटोटिक्स विभाग द्वारा एकिट्व न्यूट्रिशन इन इम्पुनिटी ब्लूस्टर सर्लीमेंट विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग भोपाल नर्मदापुरम सभाग के अधिकारीक सचालक डॉ. मोहन सिंह रघुवरांजे ने कहा की मार्च 2019 से कोरोना महामारी की वजह से हमने आपस में हथ मिलाना एवं गले मिलाना बंद कर दिया और हथ जोड़कर अभिवादन करना शुरू किया। अभिवादन की इस भारतीय परम्परा का प्रसार समूचे विश्व में हुआ। कोरोना काल में हमने ऑफसीजन का महत्व जाना है इसलिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें एवं लगाए गए वृक्षों की जिम्मेदारी स्वयं लेने और इम्पुनिटी बढ़ाने के लिए संतुलित आहार का आप्ल किया। प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने बताया कि कोविड-19 में काट्साप पर सूचनाओं की बाढ़ सी आ गई जिससे हम सब भ्रमित हो रहे हैं कि कोरोनावायरस के पहले ब बाद में अपने इम्पन मिस्ट्रम को मजबूत रखने के लिए क्या खाएं एवं



व्यापक ना खाएँ? इस समस्या को ध्यान में रखते हुए सीएनटी विभाग द्वारा वैदीनार के लिए इस विषय का चयन किया गया है। विभाग द्वारा एक रेसिपी कार्टिस्ट का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें इम्युनिटी बूस्टर व्यंजनों को सम्मिलित किया गया है। विभाग द्वारा इनका पोषणीय मूल्य निकाला जाएगा और यह प्रयास किया जाएगा कि एक सर्विंग में कितने पौष्टिक तत्व प्राप्त हो रहे हैं इसका पता चले, साथ ही कमलागत के इम्युनिटी बूस्टर व्यंजन को किस तरह तैयार कियवा जा सके इसका ज्ञान प्राप्त हो। विलेनिकल न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्स विभाग की विभागात्मक टीम रशिम श्रीवास्तव ने विषय प्रबत्तीन करते हुए बताया कि जिस प्रकार लैंकड़ाउन से प्रकृति अनलॉक हुई और प्रकृति को बूस्टर मिला उसी तरह कोरोनावायरस के समय मनुष्य के जीवन में पोषण एक बूस्टर की तरह कार्य कर रहा है, और हमारे आहर में कई ऐसे सक्रिय

पोषक तत्व है जो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में बूस्टर की तरह कार्य करते हैं जिससे मनुष्य में लंबे समय तक उसकी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद मिलती है और जब तक सम्मिलित पोषक तत्वों की उपस्थिति आहर में नहीं होती त्वरिका का इम्यून सिस्टम दर्तम नहीं होगा वर्तमान परिस्थिति में मनुष्य के जीवन का महत्वपूर्ण ट्रैगलाइन अब बनेगा हर एक निवाला इम्यूनिटी बढ़ाने वाला बन गई है। इन्हीं विचारों के साथ विभाग द्वारा एकिटब न्यूट्रिएंट्स हेल्प इन इम्यूनिटी बूस्टर सल्लीमेंट विधय पर वेबीनार का आयोजन किया जा रहा है। वेबीनार की संयोजक डॉ रीना मालवीय ने बताया कि महामारी के इस दौर में हम अक्सर विशेष खाद्य पदार्थ विटामिन्स और मिनरल्स की तलाश करते हैं क्योंकि यह तत्व हमारी इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं परंतु हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बूस्टर की संरचना धोड़ी जटिल होती है। संतुलित आहर के साथ साथ कुछ अन्य कार्य जैसे पर्याप्त नींद व्यायाम शरीर को संक्रमण से लड़ने की क्षमता देता है। इस महामारी ने हमें अपने सीमित साधनों एवं घेरेलू सामग्री का उपयोग करना मिला दिया है।

महाविद्यालय में वैक्सीनेशन कैम्प : जिले में कोरोना वैक्सीन महा अभियान के अंतर्गत बुधवार दिनांक 23 जून 2021 को शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में कोरोना वैक्सीनेशन का आयोजन किया गया। जिसमें 250 को वैक्सीन का लक्ष्य रखा गया जो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें 95 छात्राएँ 25 महाविद्यालयीन स्टॉफ एवं 130 अन्य व्यक्तियों का टीकाकरण किया गया। छात्राओं ने महाविद्यालय में इस तरह के और भी कोरोना टीकाकरण केम्प आयोजित करवाने की माँग की।

आज का टीकाकरण कार्यक्रम डॉ सीतासरन शर्मा जी विधायक होशंगाबाद एवं भाजपा नेता श्री पीयूष शर्मा जी के सहयोग से आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी सुश्री फरहीन खान, तहसीलदार सुश्री निधि चौकसे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नलिनी गौड़, डॉ. सुनील जैन, डॉ. कोक सिंह एवं टीकाकरण नोडल अधिकारी श्री योगेंद्र परसाई जी का सहयोग भी प्राप्त हुआ।



टीकाकरण कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में किया गया जिसमें वनस्पति शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रागिनी सिकरवार एवं डॉ मनीष चंद्र चौधरी, सुश्री सौम्या चौहान, श्रीमती किरण विश्वकर्मा एवं अन्य कालेज स्टाफ उपस्थित रहे।

वैक्सीनेशन टीम में श्री सत्येंद्र कुमार यादव, श्रीमती ज्योति मालवीय, श्रीमती सोनिया जाटव, सुश्री कीर्ति कटारे, सुश्री रक्षा यादव एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अंजना बस्तवार एवं अनिता नागवंशी, आंगनवाड़ी सहायिका श्रीमती सुशीला, श्रीमती दुलारी, आदि उपस्थित रहे।

वैक्सीन महा अभियान का द्वितीय चरण : जिले में कोरोना वैक्सीन महा अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत दिनांक 24 जून 2021 को शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में कोरोना वैक्सीनेशन का आयोजन किया गया। जिसमें 200 को वैक्सीन का लक्ष्य रखा गया जो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें 91 छात्राएँ 9 महाविद्यालयीन स्टॉफ एवं 150 अन्य व्यक्तियों का टीकाकरण किया गया। छात्राओं की संख्या अधिक होने के कारण अनुविभागीय अधिकारी सुश्री फरहीन खान से अनुरोध कर 50 वैक्सीन और बुलवाये गये। छात्राओं ने महाविद्यालय में इस तरह के और भी कोरोना टीकाकरण केम्प आयोजित करवाने की माँग की।

ટીકાકરણ કાર્યક્રમ ડૉ સીતાસરન શર્મા જી વિધાયક હોશંગાબાદ એવં ભાજપા નેતા શ્રી પીયુષ શર્મા જી કે સહયોગ સે સતત આયોજિત હો રહે હૈ। ઇસ કાર્યક્રમ મેં અનુવિભાગીય અધિકારી સુશ્રી ફરહીન ખાન, તહસીલદાર સુશ્રી નિધિ ચૌકસે, જિલા ટીકાકરણ અધિકારી ડૉ. નલિની ગૌડ, ડૉ. સુનીલ જૈન, ડૉ. કોક સિંહ એવં ટીકાકરણ નોડલ અધિકારી શ્રી યોગેંદ્ર પરસાઈ જી કા સહયોગ ભી સતત પ્રાપ્ત હો રહા હૈ।

ટીકાકરણ કાર્યક્રમ
મહાવિદ્યાલય કી પ્રાચાર્ય ડૉ. શ્રીમતી કામિની જૈન કે માર્ગદર્શન મેં કિયા ગયા। પ્રાચાર્ય ને બતાયા કી મહાવિદ્યાલય સ્ટાફ કા 99.5 પ્રતિશત ટીકાકરણ હો ચુકા હૈ સ્વાસ્થ્ય કારણોં સે 0.5 પ્રતિશત સ્ટાફ ટીકાકરણ નહીં કરવા પા રહા હૈ। છાત્રાઓં કી જાનકારી લી જા રહી હૈ જિન છાત્રાઓં ને ટીકે નહીં લગવાયે હૈ ઉનકે લિએ પુનઃ ટીકાકરણ કેમ્પ લગાને કા



છોમસાઇંસ કાલેજ મેં વર્કફ્લેસ કોરોના વૈક્સીનેશન મેં 1237 કો લગ ટીકા



વાચરણ હોશંગાબાદ। જિલે ને કોરોના વૈક્સીન માનત્રિકાન કે અંગેની સામગ્રીની રૂહ વિભાગ કાલેજ મેં તૈનિય ટીકાકરણ કાર્યક્રમ વકેલેસ કોરોના વૈક્સીનેશન કા આયોજન કિયા ગયા, જિસમે 1237 કોરોનાલ કા પ્રાય એવી હિસ્તીય હોવ એવું કોરોનાલ હિસ્તીય હોવ કા લશ્ય રહ્યા ગયા। વૈક્સીનેશન કે દોષમાં મહાવિદ્યાલય કે સ્ટાફ, શાસ્ત્રી, એવં અન્ય લોગ કોરોના વૈક્સીનેશન મેં શામલ હું। મહાવિદ્યાલયન

સ્ટાફ એવું છાત્રાઓં કા વૈક્સીનેશન શરૂ-પ્રાંતિક રહ્યા એવું અન્ય લોગોની કો રોળા અધિક હોને કે બાબુ ભી વૈક્સીનેશન કાર્ય સ્થાપન પૂર્ણ સંસ્થાન હું। અન્ય લોગોને મેંથન જીંદી થી એવી લાદ કે ટીકાકરણ કેંપ મહાવિદ્યાલય મેં આયોજિત કિય નાય, જીંદી શ્રીમતી વૈદી જીંદી વૈદી ને બૈચાંન કિ વર્કફ્લેસ પર કાલેજ કો છાત્રાઓની એવું સ્ટાફ કા વકેલેસ કા હિસ્તીય હોવ વૈક્સીનેશન પૂર્ણ હુંથાં। ઇસ ટીકાકરણ કાર્યક્રમ મેં વિભાગ અંતિમ નાયારીની કો આયોજનકા કી નથી।

વૈક્સીનેશન વર્કફ્લેસ શાલ્વ વિભાગ મેં અન્યોની કિયા ગયા। જિસમે ચિયાયક જી, સીતાસરન હાર્સે એવ માલવા નેતા જીંદી શાસ્ત્રી કા સહયોગ પ્રાપ્ત હુંથાં। સંથ હી એવાંદર્થી કર્ણાન શાસ્ત્રી, તહસીલદાર નિર્મિત ચૌકસે, જિલ્લા ટીકાકરણ અધિકારી ડૉ. નલિની ગૌડ એવું નોડલ ભૂલિકારી વૈદી પરસાઈ કા સહયોગ ભી પ્રાપ્ત હુંથાં। શ્રીમતી કામિની જૈન કે ડૉર્ટોરિન વૈક્સીનેશન પ્રાચાર્ય ઝી, શ્રીમતી કામિની જૈન કે

માર્ગદર્શન કી વિમાનાભ્યાસ ડૉ. શર્મા વિકારણ એવું ડૉ. બોનીયા વૈદી, સુશ્રી માલવીયા, ડૉ. રીતા માનવીયા, ડૉ. અંકિતના યાદવ, આંતો રોહિની, ડૉ. નીતુ પટેલ એવું દેખેં લેને અંતિ વર્પાસિલ કે। વૈક્સીનેશન સુર્ખે કો ક્રમાંથી શ્રીમતી કાર્યક્રમ લાદ, અધ્યક્ષ મેંઠોની અધિકારી ઝી, વિભાગ યાદવ, શ્રીમતી અંતો બુધીલિયા, શ્રીમતી સુલ્પા તેવામ, સીનમ બાધ્યાયા, પંચી દુલ્ઘ, મનીપા પાલ, વિસીત સંસ્કૃત, સીનમ માલવીયા, આંગનવાડી કાર્યક્રમાં સંબંધ મુદ્રાના, પ્રીનુન વૈક્સીનેશન એવું સાધારિકાએ આદિ ઉપયોગ રહે। પુરીનું વિભાગ મેં એવાંદર્થી સુખાંદાન, કેલાના પ્રાણી પોર્ટ એવું સુનીલ વૈદી ને સહયોગ પ્રદાન કિયા। ઇસ કાલેજ મેં કલીશાળા, દીપિકા રાજપુત, દુર્ગા વાર્ધી ને એવીમ સહયોગ પ્રદાન કિયા। મહાવિદ્યાલય ચૌથીયાં ને સંસીએ આપાર બ્યક કિયા।

વૈક્સીનેશન ટીમ મેં શ્રીમતી જ્યોતિ માલવીય, સુશ્રી કીર્તિ કટારે, સુશ્રી રક્ષા યાદવ એવં સહાયિકા શ્રીમતી અનીતા ઉર્કે, શ્રીમતી શ્યામા વિશ્વકર્મા, આદિ ઉપસ્થિત રહે।

समाचार दर्शन माह अप्रैल २०२१ से जून २०२१

“वैशिक महामारी कोविड-19 में एनजीओ की भूमिका” : शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में दिनांक 16 जून 21 को समाजकार्य एवं समाजशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का विषय “वैशिक महामारी कोविड-19 में एनजीओ की भूमिका” वर्तमान परिप्रेक्ष्य में वेबीनार का विषय समयानुकूल है। इस वेबीनार में मुख्य अतिथि श्री कुमार कलानंद मणि, विशिष्ट वक्ता डॉ अभिनेष रावत, मुख्य वक्ता श्री विकास जैन, विभागाध्यक्ष डॉ कंचन ठाकुर एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अध्यक्ष के रूप में अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की।

मां सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात वेबीनार का शुभारंभ किया गया। स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोविड-19 से जो वैशिक समस्या उत्पन्न हुई है उसके निवारण हेतु एनजीओ ने अपनी महत्वपूर्ण

कोरोना महामारी में एनजीओ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

प्राचीन उत्तर भैरवारी

होमेपाथी, होमेपाथिया जैविन में
सुनकर कई ममता वाले एवं
स्वास्थ्यवाले विद्या लारा शॉपिंग
लेवेलारा का उद्योगनाम लिख गया।
विद्या लारा विडियो वॉर्कशॉप-19 में
जैविनों की पूँछ बढ़ाव दिया गया तथा
लेवेलारा में विद्या लारा विद्या
विडियो मूल अधिकारी कृष्ण कालनान्द
मर्यादा विद्या लारा एवं अधिकारी
द्वारा, एक एक विद्या लारा विडियो वॉर्क
विडियोवाला था। कविता राघवन एवं
विद्या लारा विडियो वॉर्क में अभ्यास
की दृष्टिकोण से दीर्घीकालीन रही।

भूमिका अदा की है। वर्तमान समय में
इस महामारी के पश्चात् भयावह
स्थितियां बनी हैं उन स्थितियों से
निकलने में एनजीओ ने आम जनमानस
का भरपूर सहयोग किया है, परिवहन,
ऑक्सीजन, प्लाज्मा डोनर, अस्पतालों में
बेड की व्यवस्था, टीकाकरण के लिए
जागरूकता लाने में एनजीओ ने सक्रिय
भूमिका अदा की है। एनजीओ हमारे

जीवन एवं समाज का और अधिक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। महाविद्यालय भविष्य में समाजकार्य एवं समाजशास्त्र के सहयोग से एनजीओ का निर्माण करेगा, जिससे अध्ययनरत एवं



शासकीय ग्रहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद

लिए आगे आए। लगभग 9475 अशासकीय संस्थाओं ने जरूरतमंद लोगों की मदद कर राष्ट्रहित में अपना सहयोग प्रदान किया।

मुख्य अतिथि श्रीकुमार कलानंद मणि (पीस सोसायटी गोवा) ने अपने वक्तव्य में बताया कि किस प्रकार एनजीओ को पंजीकृत करवाकर समाज कार्य किया जा सकता है। लगभग 32 क्षेत्रों में एनजीओ का हस्तक्षेप है। कोविड-19 के समय इन्होंने अपनी सीमित शक्ति के साथ पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। कोरोना की दूसरी लहर समाप्ति पर है परंतु यह कोरोना की समाप्ति नहीं है। अब समय आ गया है कि समाज, शैक्षणिक संस्थान एवं प्रत्येक व्यक्ति को एकजुट होकर कोरोना के खिलाफ खड़ा होना है।

विशिष्ट वक्ता डॉ अभिनेष रावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि एनजीओ समाज एवं प्रशासन के बीच में मध्यरक्षता का कार्य करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के माध्यम से जरूरतमंद की सहायता करने का प्रयास किया गया है। समाज सुधार, कुरीतियों एवं भ्रांतियों को दूर करने में, टीकाकरण के लिए जागरूकता में, एनजीओ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं।

श्री विकास जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे देश में लगभग 31 लाख एनजीओ हैं। वर्तमान में एनजीओ की सबसे बड़ी भूमिका है लोगों को सही जानकारी देना। हम दिनचर्या एवं जीवन को नियम वद्ध करके ही कोरोना को हरा सकते हैं।



NGOs' role during pandemic hailed

FP NEWS SERVICE
Hoshangabad

The social work department of the government post graduate home science college has organised a webinar on the role of voluntary organisations during Covid-19.

In her inaugural speech, principal of the college Kamini Jain said that the NGOs had played an important role in dealing with the problems arising out of the pandemic.

The members of various voluntary organisations arranged for beds in hospitals, oxygen cylinders, plasma, vehicles for patients and vials, Jain said. She further said that the NGOs had become an important part of the society.

The college plans to set up NGOs with the help of the social work department so that the students studying in the college may become part of those voluntary organisations and connect with the society, she said. Head of the department Kanchan

Thakur said that the pandemic had destroyed the world.

When the virus was raging through the world, nearly 9,475 voluntary organisations helped the people, Thakur said.

Chief guest Shrikumar Kala Nand Mani spoke about how to get a voluntary organisation registered.

The NGOs are working in 32 sectors and how they worked during the pandemic during the pandemic, he further said.

According to him, the second wave of the pandemic is on the wane, but it is not the end of the virus, and the time has come to fight down the virus with the help of educational and other institutions.

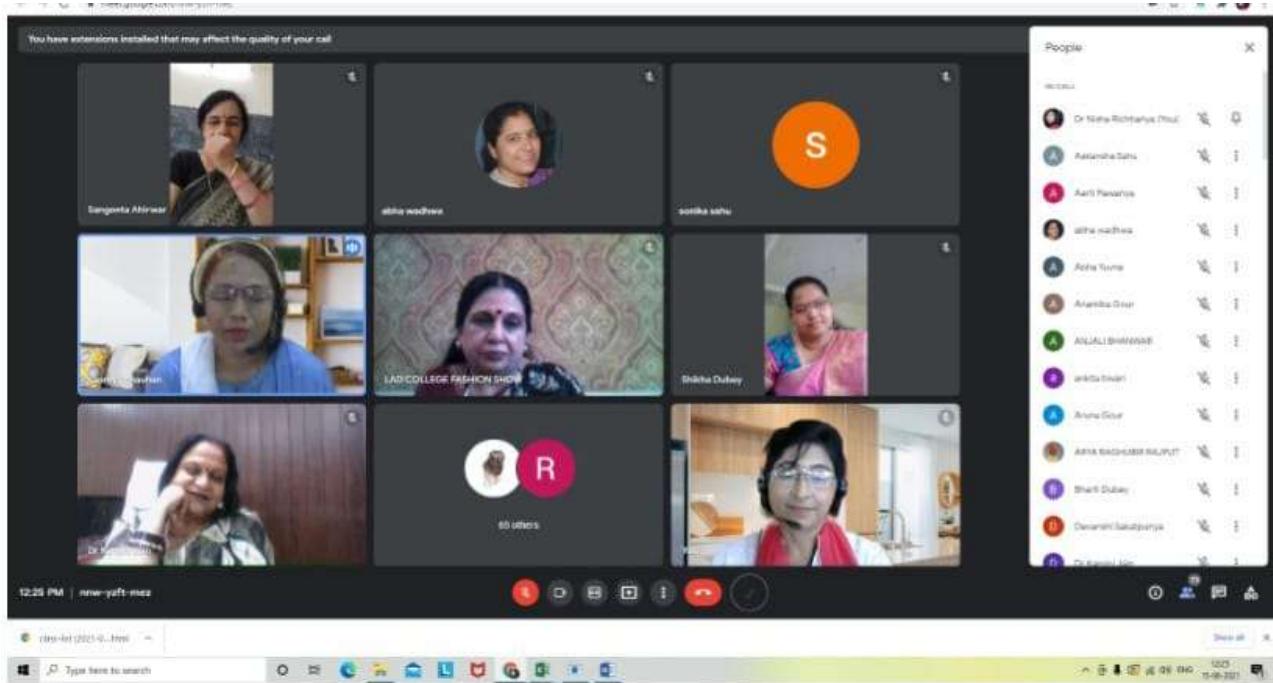
Special speaker Avinash Rawat said that the voluntary organisations work as a link between the society and the administration. They made efforts to help the needy through the national rural employment scheme, he said, adding that they worked hard to drive away the superstitions from the society.

on therapy for patients at Cancer Hospital

समाचार दर्शन माह अप्रैल २०२१ से जून २०२१

“मोती अगर पाना है तो गहराई में गोता लगाना पड़ेगा” – डॉ. रेणुबाला शर्मा

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 15 जून 2021 को राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। “चैलेंजेस एंड अपॉर्चुनिटी ऑफ फैशन एंटरप्रेन्योरशिप” विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ रेणुबाला शर्मा, विशिष्ट वक्ता डॉ हर्षा झारिया एवं श्री धर्मेंद्र सिंह, फैशन डिजाइनिंग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ संगीता अहिरवार एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपनी



गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की।

वेबीनार का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि कोविड-19 लॉक डाउन के बाद फैशन उद्योग अपने भविष्य को लेकर आशंकित है। लॉक डाउन का उद्योग धंधों पर बुरा असर पड़ा है, कुछ माह पहले तक सफलता की बुलंदियों को छू रहे फैशन उद्योग की भी हालत ठीक नहीं है। उद्योग के जानकारों का कहना है कि कोरोनावायरस ने उन्हें एक दशक पीछे धकेल दिया है लॉकडाउन के कारण आमदनी में कमी आई है। फैशन ट्रेंड का अनुसरण करने वाले ग्राहकों की प्राथमिकता सूची से कीमती महंगे परिधान बाहर हो गए हैं। फैशन उद्योग को लेकर अलग से कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं है, कोरोना महामारी ने लोगों के

जीवन और जीविका दोनों पर ही संकट पैदा किया है। परंतु जब हम फैशन के अनुसार पहनावा पहनते हैं तो मन उत्साहित एवं आत्मविश्वास से भरा होता है भविष्य में महाविद्यालय द्वारा जरूरतमंद छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु स्माल स्कैल इंडस्ट्रीज का शुभारंभ स्व सहायता समूह के सहयोग से किया जाएगा। आज की व्याख्यानमाला फैशन डिजाइनिंग की छात्राओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

फैशन डिजाइनिंग की विभागाध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि फैशन हमेशा से ही युवाओं को आकर्षित करते आ रहा है। फैशन हमारी परंपरा का हिस्सा है, फैशन कभी पुराना नहीं होता है। फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में एक शानदार भविष्य बनाया जा सकता है।

विषय प्रवर्तन करते हुए श्रीमती नीलम चौधरी ने बताया कि मानव फैशन को किसी ना किसी रूप में अपनाते आ रहा है और इसे अपनाकर अपने आप को संतुष्ट करते हैं जिससे हम कुछ नया करने के लिए प्रेरित होते हैं। फैशन हमारे व्यक्तित्व को और अधिक आकर्षक बनाता है।

मुख्य अतिथि डॉ रेणु बाला शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भविष्य की संभावनाओं के लिए फैशन डिजाइनिंग बेहतर विकल्प है। उद्यमी एक हार्ड वर्कर के साथ—साथ स्मार्ट वर्कर भी होना चाहिए। फैशन हमें नए पन का एहसास दिलाता है। मोती अगर आपको पाना है तो गहराई में गोता लगाना ही होगा। फैशन डिजाइनिंग में चैलेंज है तो अपार संभावनाएं भी हैं।

मुख्य वक्ता डॉ हर्षा झारिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि फैशन डिजाइनिंग में अत्यंत सुनहरा भविष्य है। मानव अपने पहनावे के प्रति अत्यंत सजग होता है, इसलिए इस क्षेत्र में स्वयं का व्यवसाय एवं रोजगार की बहुत अधिक संभावना रहती है। फैशन डिजाइनर को नई चीजें सीखने की रुचि होना चाहिए।

श्री धर्मेंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आवश्यकता आविष्कार की जननी है। फैशन स्वयं की अभिव्यक्ति, विचारों, भावनाओं को व्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है।

नो रिस्क नो बिजनेस – डॉ. अविनाश पी. श्रीवास्तव

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में प्रबंधन विभाग द्वारा “न्यू डाइमेंशंस ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड बिजनेस अपॉर्चुनिटी इन पोस्ट कोविड-19 सिचुएशन” विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजन

के साथ किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने स्वागत उद्बोधन में बताया कि वर्तमान समय कि इस स्थिति ने हमें बहुत सारी चीजें सिखाई है, जिसमें आज हम वर्क फ्रॉम होम के साथ ऑनलाइन बिजनेस को भी बढ़ावा दे रहे हैं, उन्होंने बताया कि यही आधुनिक भारत है जहां सभी छोटी-बड़ी वस्तुएं एवं प्रबंधन से जुड़े व्यापार, ऑनलाइन शॉपिंग, स्कूल तथा महाविद्यालय में ऑनलाइन कक्षाएं नए आयामों के रूप में हमारे सामने देखने को मिली है, प्राचार्य द्वारा सभी आविष्कार का व्यवसाय का व्यवसाय किया। कामिनी भी इस विशेषताओं के रूप में व्यापार का व्यवसाय के बारे में बहुत सारी चीजें सिखाई हैं।

वेबीनार कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती अंकिता तिवारी ने अपने विषय प्रवर्तन में टॉपिक को चयन करने का मुख्य उद्देश्य बताते हुए कहा कि संपूर्ण विश्व में कोविड-19 महामारी घोषित हुई और लॉकडाउन हुआ जिससे भारत ही नहीं अपितु विश्व की आर्थिक स्थिति में काफी प्रभाव पड़ा जिससे छोटे-बड़े हर तरह के व्यापार में उतार-चढ़ाव एवं लाभ-हानि देखने को मिली, परंतु इस स्थिति में प्रबंधन और ई-कॉमर्स ने लॉकडाउन में भी इन परिस्थितियों में सुधार का प्रयास किया गया। वेबीनार को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य यह जानने का प्रयास किया गया कि कोविड-19 महामारी के चलते व्यापार में क्या नये अवसर उत्पन्न हो सकते हैं जिससे व्यापार के नए आयाम को समझा जा सके।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हमीदिया महाविद्यालय भोपाल के प्राचार्य, डॉ. अनिल शिवानी ने अपने वक्तव्य में बताया कि व्यवसाय समाज से जुड़ा होता है और दोनों एक दूसरे के पूरक होते हैं। समाज में परिवर्तन आने पर व्यवसाय की आवश्यकता बढ़ती है और व्यवसाय की आवश्यकता बढ़ती है और व्यवसाय की आवश्यकता बढ़ती है। इस विशेषता के बारे में बहुत सारी चीजें सिखाई हैं।

विषय विशेषज्ञ के रूप में वात्सल्य स्कूल मंदसौर के डॉ. अविनाश श्रीवास्तव ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि आपदा के समय व्यापार का प्रबंधन किस तरह किया जाता है, आपदा प्रबंधन में मजबूती के साथ खड़े रहे और किसी भी परिस्थिति से घबराकर हारना नहीं चाहिए बल्कि दृढ़ निश्चय के साथ उसका डटकर सामना करना चाहिए तभी आपको

नोरिस्क नो बिजनेस डॉ. अविनाश पी. श्रीवास्तव



प्रधा लंगर वर्दे वाले के सफारी व्हाइट टार्गेट वाली है।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

वास्तविक विदेशी भूमि के अधीन ने अपने व्यापारिक संस्करण के बीच काम करना चाहिए।

સમાચાર દર્શન માહ અપ્રૈલ ૨૦૨૧ સે જૂન ૨૦૨૧

સफળતા પ્રાપ્ત હોગી। ડૉ. અવિનાશ પી. શ્રીવાસ્તવ દ્વારા લઘુ ઉદ્યોગ એવં હર્બલ ઉદ્યોગ કે બારે મેં વિસ્તૃત જાનકારી દી ઔર બતાયા કિ યહ છોટે પૈમાને સે શુરુ હોકર બડે આયામોં તક પહુંચાયા જા સકતા હૈ।

અગલે વિષય વિશેષજ્ઞ કે રૂપ મેં નર્મદા મહાવિદ્યાલય હોશંગાબાદ કે ડૉ. કેશવ મિશ્રા ને બતાયા કિ કોવિડ-19 મેં લૉકડાઉન કે સમય મેં વ્યાપાર ઠપ હો જાતા હૈ ઇસ દૌરાન હમ ઈ-કોમર્સ એવં ડિજિટલ પેમેન્ટ પર હી પૂર્ણ તરહ નિર્ભર હો જાતે હૈનું। નૌકરી કરને વાલોં કી નિયોક્તા કે દ્વારા ઘર સે કાર્ય કરને કી સુવિધા પ્રદાન કી જાતી હૈ જિસસે કોવિડ-19 મહામારી જૈસી બીમારી સે બચા જા સકે। ઇસ દૌરાન હમને વિભિન્ન તરહ કે લાભ ભી દેખે ગએ જૈસે— અચ્છા સ્વાસ્થ્ય, સમય એવં ધન કી બચત, પરિવાર કી સાથ સમય વ્યતીત કરના। મુખ્ય વક્તા દ્વારા બેવીનાર મેં છાત્રાઓં દ્વારા પૂછે ગયે પ્રશ્નોનો કા વિસ્તૃત વિવરણ દિયા ગયા।